राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 19 अक्टूबर 2023 वर्ष–6,अंक–268 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

2024 के लिए मिशन साउथ में बढ़ रहीं चुनौतियां

भाजपा के लिए कर्नाटक में नई साझेदारी से संकट, आंध्र प्रदेश में साथी चुनने की उलझन

नई दिल्ली। आमचुनाव से पहले भाजपा का मिशन साउथ बेपटरी हो रहा है। पार्टी ने चार साल में लोकसभा की 130 सीटों वाले दक्षिण के 6 राज्यों को साधने के जितने सियासी दांव चले, वे परवान चढ़ते नहीं दिख रहे। ताजा झटका कर्नाटक से लगा, जहां राज्य के वरिष्ठ नेता शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ नाराजगी जताते लगे हैं।

दरअसल, हाल ही में भाजपा ने पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा की अध्यक्षता वाले जद-एस से गठबंधन का फैसला किया। इसके खिलाफ कर्नाटक भाजपा के ही नेता बोलने लगे हैं। आमतौर पर अनुशासित पार्टी मानी जाने वाली भाजपा के लिए यह झटके की तरह है।

JDS को चुना तो लिंगायत समर्थक नाराज हुए-भाजपा नेता, कर्नाटक के पूर्व सीएम और केंद्रीय मंत्री सदानंद गौड़ा ने सार्वजनिक रूप से कहा, JDS से गठजोड़ पर राज्य इकाई को विश्वास में नहीं लिया गया। इस बीच सूत्रों ने दावा किया है कि केंद्रीय नेतृत्व के इस फैसले से नाराज भाजपा के कई विधायक, सांसद और पदाधिकारी पार्टी छोड़ने जैसा कदम भी उठा सकते हैं। कर्नाटक भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, JDS के साथ जाने से लिंगायत समर्थक भाजपा से नाराज हैं।

आंध्र प्रदेश: असमंजस में भाजपा, सीएम जगन के साथ जाएं या चंद्रबाबू नायडू को बचाएं...

आंध्र में टीडीपी से गठबंधन की कोशिश में लगी भाजपा को चंद्रबाबू नायडू की भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तारी से झटका लगा है। वाईएसआरसीपी प्रमुख और राज्य के सीएम जगनमोहन रेड्डी ने चुपचाप इस कार्रवाई को हरी झंडी दी। अब भाजपा इस पर असमंजस में है कि वह जगन के साथ जुड़े या चंद्रबाबू को बचाकर उनका साथ ले।

जगन के साथ जाने पर उसे विधानसभा के साथ लोकसभा चुनाव में भी जूनियर पार्टनर रहना होगा। वहीं, टीडीपी के साथ वह कम से कम बराबरी पर सीट शेयर कर सकती है। हालांकि ऐसे में भ्रष्टाचार के खिलाफ भाजपा के दावे को झटका लगेगा, क्योंकि नायडू इसी आरोप में जेल में हैं।

दूसरी ओर, भाजपा की सहयोगी रही जनसेना पहले ही कह चुकी है कि वह टीडीपी के साथ चुनाव लड़ेगी।

तेलंगाना: सत्ता विरोधी रुझान कमजोर पड़ा

भाजपा ने जिस मजबूत विपक्ष की भूमिका बनाई, वह कर्नाटक की हार से कमजोर हो गया। कर्नाटक की जीत से उत्साहित कांग्रेस फूंटफुट पर है। जानकारों का कहना है कि भाजपा ने राज्य में जो सत्ता विरोधी रुझान बनाया था, पार्टी के कमजोर होने से उसका फायदा कांग्रेस उठा रही है।

केरल और तमिलनाडु का हाल

तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक ने भाजपा से नाता तोड़ लिया। तमाम कोशिशों के बाद भी भाजपा अन्नाद्रमुक को मनाने में सफल नहीं रही। ऐसे में अकेले उसकी राह आसान नहीं दिख रही। वहीं, केरल में भाजपा की सियासत में जमीनी स्तर पर अब तक कोई बड़ा बदलाव नहीं हो पाया है।

पार्टी नेताओं का भी मानना है कि एलडीएफ और यूडीएफ के बीच अभी भाजपा के लिए जगह नहीं बन रही। ऐसे में 2024 के आम चुनाव में भाजपा को केरल से बड़ी उम्मीद नहीं है।

दिल्ली में आई गुलाबी ठंड, सात डिग्री गिरा तापमान

नई दिल्ली। पश्चिमी विक्षोभ के एकाएक सक्रिय होने से पहाड़ों पर हुई बर्फबारी और बारिश से दिल्ली में ठंडक बढ़ गई। राजधानी में को अधिकतम तापमान 26.2 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से सात डिग्री सेल्सियस नीचे रहा, और यह इस साल अक्टूबर में दर्ज सबसे कम अधिकतम तापमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। विभाग के मुताबिक, दिल्ली में रात भर हुई बारिश के कारण न्यूनतम तापमान में कमी आई, जो सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस कम 17.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी के मुताबिक, दिल्ली के कुछ हिस्सों में रात भर बारिश हुई तथा तेज हवाएं चलीं। सोमवार को सुबह साढ़े आठ बजे से मंगलवार को सुबह साढ़े आठ बजे तक शहर में पांच मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। पश्चिमी विक्षोभ, बारिश और तेज हवा के चलते मंगलवार को दिल्लीवालों को ठंड का एहसास होने लगा। राजधानी में अगले छह दिनों तक मौसम सामान्य रहने और तापमान 28 से 31 डिग्री के आसपास रहने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, बीते दो दिनों में दिल्ली के तापमान में आठ डिग्री की गिरावट देखने को मिली है। रविवार को जहां दिल्ली का अधिकतम तापमान 34.6 डिग्री था। सोमवार को अधिकतम तापमान 30.5 डिग्री दर्ज किया गया। मंगलवार को एक बार फिर अधिकतम तापमान में चार डिग्री की गिरावट हुई और यह 26.2 डिग्री पर पहुंच गया। यह सामान्य से सात डिग्री कम है।

दिल्ली में दो दिन धुंध रहने के आसार-मौसम विभाग के अनुसार सोमवार रात दिल्ली के अधिकांश इलाकों में बारिश हुई, जिसके साथ ही ठंडक भी बढ़ गई। सबसे ज्यादा बारिश रिज इलाके में 9.6 एमएम हुई। इस बारिश के चलते मंगलवार सुबह से ही लोगों को ठंड का एहसास हुआ। दोपहर के समय भी मंगलवार को हवा में ठंडक बनी रही। मौसम विभाग का मानना है कि अगले कुछ दिन मौसम इसी तरह सुहाना बना रहेगा। बुधवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 16 डिग्री, जबकि अधिकतम तापमान 28 डिग्री रहने की संभावना है। अगले दो दिन सुबह के समय हल्की धुंध रह सकती है। मौसम में बदलाव होने के चलते सोमवार रात दिल्ली एयरपोर्ट पर कुछ विमानों को नहीं उतारा जा सका। 13 विमानों को दूसरे एयरपोर्ट भेजना पड़ा।

देर रात तक चली भाजपा कोर ग्रुप की बैठक, जल्द होगा उम्मीदवारों का ऐलान

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर पर मंगलवार को कोर ग्रुप की बैठक देर रात तक चली। इस बैठक में अमित शाह भी मौजूद रहे। बैठक में पहले राजस्थान, फिर मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के उम्मीदवारों पर मंथन हुआ। राजस्थान की दूसरी सूची से पहले हुई इस बैठक में सभी चुनावी राज्यों के अध्यक्ष, प्रभारी और वरिष्ठ नेता भी शामिल रहे। बैठक में वसुंधरा राजे सिंधिया, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल रहे। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में टिकट बंटवारे पर चर्चा हुई और सभी से राय मांगी गई। बैठक के बाद उम्मीद की जा रही है कि 19 तारीख के बाद जल्द ही केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक भी हो सकती है जिसके बाद मध्य प्रदेश के लिए बाकी उम्मीदवारों, राजस्थान भाजपा की दूसरी लिस्ट जारी होगी। इसके साथ तेलंगाना, मिजोरम, छत्तीसगढ़ के भी उम्मीदवारों की सूची जारी जल्द होगी। राजस्थान की पहली सूची जारी होने के बाद भाजपा

प्रदेश में कुछ नेताओं में भारी रोष भी है। इसको देखते हुए पार्टी अब फूंक फूंककर कदम उठा रही है। बुधवार को जेपी नड्डा राजस्थान में कई नेताओं से मुलाकात करेंगे। उल्लेखनीय है कि नवंबर में राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। कोर ग्रुप की बैठक के बाद उम्मीद की जा रही है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपलब्धता के साथ ही केन्द्रीय चुनाव समिति की भी बैठक होगी और सभी नामों की घोषणा कर दी जाएगी ।

भानवी सिंह ने हर महीने 10 लाख गुजारा भत्ता मांगा

महंगे ब्रांड का शौक; बोलीं-राजा जैसे जीवन के लिए चाहिए रुपए

प्रतापगढ़। यूपी के कद्दावर नेता और प्रतापगढ की कुंडा सीट से विधायक रघुराज प्रताप उर्फ राजा भैया और भानवी कुमारी सिंह के बीच का झगड़ा अब अदालत में पहुंच चुका है। मंगलवार को भानवी सिंह अपने ससुर उदय प्रताप सिंह (राजा भैया के पिता) के साथ साकेत कोर्ट पहुंची थीं। फैमिली कोर्ट की जज सुनाली गुप्ता के सामने मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान भानवी सिंह ने फैमिली कोर्ट में 10 लाख रुपए महीना गुजारा भत्ता दिए जाने की मांग की। इस संबंध में उनकी ओर से अर्जी दाखिल की गई है। इस मामले पर अगली सुनवाई तीन नवंबर को होगी।

मिली जानकारी के अनुसार भानवी सिंह ने गूजी, बरबरी, फेरागामो जैसे ब्रांड की चीजें खरीदने के लिए हर महीने 10 रुपए की मांग की है। उनकी ओर से दाखिल अर्जी में कहा गया है कि मैं अपनी

● राजा भैया की पत्नी भानवी सिंह ने फैमिली कोर्ट में 10 लाख रुपए महीना गुजारा भत्ता दिए जाने की मांग की। इस संबंध में उनकी ओर से अर्जी दाखिल की गई है। इस मामले पर अगली सुनवाई तीन नवंबर को होगी।

कमाई से ऐसी महंगी चीजें नहीं खरीद सकती इसलिए मुझे भी उनके जैसे जीवनयापन के लिए ये रुपए चाहिए। भानवी सिंह ने राजा भैया की लाइफ स्टाइल का जिक्र करते हुए बताया है कि उनके पति रघुराज प्रताप सिंह को ब्रांडेड बैग, महंगे जूते, महंगे परफ्यूम, इंटरनेशनल ब्रांड के चश्मे आदि का शौक है। उनके कपड़े जयपुर में सिलते हैं।

पहले तलाक देने से कर दिया था इनकार

बता दें कि राजा भैया और भानवी सिंह के बीच विवाद काफी समय से सुर्खियों में बना हुआ है। कुछ समय पहले भानवी सिंह ने कहा था कि वह राजा भैया को कभी तलाक नहीं देंगी। भानवी सिंह ने राजा भैया पर कई और गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने उन पर खुद के पीटने का भी आरोप लगाया था।

ऑपरेशन अजय की पांचवीं फ्लाइट इजरायल से पहुंची नई दिल्ली

लगे भारत माता की जय के नारे

नई दिल्ली। हमास के इजारयल पर हुए हमले के बाद वहां फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी के लिए केंद्र की मोदी सरकार के ऑपरेशन अजय के तहत पांचवीं फ्लाइट मंगलवार रात 11 बजे पालम एयरपोर्ट पहुंची। स्पाइसजेट के इस विमान से 286 लोगों को लाया गया। इन लोगों ने इस मौके पर भारत माता की जय के नारे लगाए। इनमें 268 भारतीय और 18 नेपाली नागरिक शामिल हैं। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री एल मुरुगन ने एयरपोर्ट पर सभी की अगवानी की। सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री एल मुरुगन और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने यह खुशखबरी एक्स पर साझा की है। बताया गया है कि स्पाइसजेट के इस विमान (ए 340) में रविवार को तेल अवीव में उतरने के बाद तकनीकी समस्या आ गई थी। इस वजह से विमान को जार्डन ले जाया गया। इसे पहले सोमवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी लौटना था। एल मुरुगन ने कहा है कि सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है। वह उन सभी भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है जो अपने वतन लौटना चाहते हैं। उन्होंने कहा है कि ऑपरेशन अजय के तहत अब

तक1100 से अधिक भारतीय नागरिकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी कराई जा चुकी है।

जम्मू में पाक ने किया सीजफायर का उल्लंघन, दो बीएसएफ जवान हुए घायल

भारत दे रहा मुंहतोड़ जवाब

जम्मू। जम्मू के अरनिया सेक्टर में पाकिस्तान की तरफ से सीजफायर का उल्लंघन किया गया है। रिपोर्टों में कहा गया है कि पाकिस्तान रेंजर्स ने यहां गोलीबारी की, जिसमें बीएसएफ के दो जवान घायल हो गए। जवाब में सुरक्षाकर्मी काउंटर अटैक की कार्रवाई कर रहे हैं। फरवरी 2021 में भारत और पाकिस्तान सेना के बीच संघर्ष विराम समझौते के बाद यह संघर्ष विराम उल्लंघन की पहली बड़ी घटना है। बीएसएफ ने अभी तक घटना पर आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। मिली जानकारी के

अनुसार, 17 अक्टूबर को जम्मू के अरनिया सेक्टर पर पाकिस्तानी रेंजर्स ने गोलीबारी की। इस घटना में बीएसएफ के दो जवान घायल हो गए। घायल जवानों को सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों ने कहा कि उनकी हालत स्थिर है। यह घटना अंतरराष्ट्रीय सीमा के विक्रम बीओपी के पास हुई है। सीमा सुरक्षा बल के दो जवान बिजली की लाइट का काम करा रहे थे। यह सीमा से करीब 60 मीटर और सीमा चौकी विक्रम से करीब 1500 मीटर की दूरी पर है। गौर हो कि पाकिस्तानी सेना द्वारा संघर्ष विराम का उल्लंघन ऐसे समय में हुआ है जब पाकिस्तानी क्रिकेट टीम इस समय आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए भारत में है।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम-भारत और पाकिस्तान ने 25 फरवरी, 2021 को युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। दोनों देशों ने घोषणा की कि वे जम्मू-कश्मीर और अन्य क्षेत्रों में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर युद्धविराम पर सभी समझौतों का सख्ती से पालन करने पर सहमत हुए हैं। पाकिस्तान की ओर से कई युद्धविराम उल्लंघनों के बाद दोनों देशों ने जम्मू-कश्मीर में सीमाओं पर नए सिरे से युद्धविराम लागू करने की घोषणा की। युद्धविराम से नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर रहने वाले लोगों को बड़ी राहत मिली है, क्योंकि इस क्षेत्र में लगातार गोलीबारी बंद हो गई है।

दुर्गा पूजा के लिए हिमंत सरमा ने खोला खजाना, असम के 7000 पंडालों को सरकार देगी फंड

गुवाहाटी। अपने बयानों और निर्णयों को लेकर सुर्खियों में रहने वाले हिमंत बिस्व सरमा ने दुर्गा पूजा के आयोजन को लेकर एक बड़ा फैसला किया है। उन्होंने दुर्गा पूजा पंडालों के लिए सरकार का खजाना खोल दिया है। सरकार ने फैसला किया है कि पूरे राज्य में बने 6953 पूजा पंडालों को पैसे दिए जाएंगे। सीएम सरमा की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में इसका ऐलान किया गया है। असम सरकार में टूरिज्म मंत्री जयंत माल बरुआ ने इसकी जानकारी दी है।

कैबिनेट के फैसले के मुताबिक, अमस के 6953 पूजा पंडालों को सरकार के द्वारा 10-10 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। मंत्री ने कहा. राज्य कैबिनेट ने यह भी निर्णय लिया कि सभी कैबिनेट मंत्री 25 दिसंबर से 10 जनवरी 2024 तक एक विशेष गांव में 5 दिन और 5 रात रुकेंगे। इस दौरान उच्च और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 400 नए भवनों की आधारशिला रखी जाएगी। इनमें से 100 चाय बागान क्षेत्रों में पूरी तरह से नए स्कूल होंगे। पुराने स्कूलों की इमारतों के नवीनीकरण के लिए प्रत्येक स्कूल को 7 करोड़ आवंटित किए जाएंगे।

बरुआ ने कहा कि असम कैबिनेट ने मिशन बसुंधरा 2.0 के तहत शहरी क्षेत्रों में वासभूमि

● सरकार ने फैसला किया है कि पूरे राज्य में बने 6953 पूजा पंडालों को पैसे दिए जाएंगे। सीएम सरमा की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में इसका ऐलान किया गया है।

उद्देश्यों के लिए 123 स्वदेशी, भूमिहीन परिवारों (चराइदेव के 105 परिवार और दरांग के 18 परिवार) के पक्ष में भूमि के निपटान का निर्णय भी लिया है। संबंधित जिला एसडीएलएसी से मंजूरी और अभिभावक मंत्रियों की निगरानी के बाद 55,000 से अधिक भूमिहीन परिवारों को निपटान का प्रस्ताव पहले ही जारी किया जा चुका है।

उन्होंने कहा, राज्य कैबिनेट ने 2024 की छुट्टियों की सूची को भी मंजूरी दे दी है। असम वित्तीय निगम की 31 मार्च 2023 तक बकाया ऋण राशि 54 करोड़ और बकाया ब्याज 10.92 करोड़ को इक्विटी पूंजी में परिवर्तित किया जाएगा। 1 जनवरी 2024 से हर 5 साल की सेवा अवधि में एक बार स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टरों को गैर-प्रैक्टिसिंग भत्ता (एनपीए) के लिए निगम, ऑप्ट-इन और ऑप्ट-आउट विकल्प प्रदान किए जाएंगे। एनपीए स्वास्थ्य के तहत काम करने वाले सभी डॉक्टरों के लिए लागू किया जाएगा।

संपादकीय

रेवड़ियों की राजनीति

पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही वहां आचार संहिता लागू हो चुकी है, ऐसे में लाजिमी है कि सत्ता की दौड़ में शामिल पार्टियां जनादेश मांगने से पहले राज्यवार अपने घोषणापत्र जारी करें और जनता को बताएं कि हुकूमत में आने पर उनकी प्राथमिकताएं क्या होंगी? यह एक स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया है। मगर हमारे देश में यह शानदार परंपरा भी अब विद्रूपता की शिकार होने लगी है। मंगलवार को कांग्रेस पार्टी ने मध्य प्रदेश में अपना 'वचन पत्र' (घोषणापत्र) जारी किया, जिसमें राज्य की जनता को 101 गारंटी दी गई हैं। इनमें रियायती दर पर रसोई गैस, सौ यूनिट मुफ्त बिजली, बेटियों की शादी पर एक लाख एक हजार रुपये, महिलाओं को प्रतिमाह पंद्रह सौ रुपये, छात्रों को नकद मदद जैसी कई घोषणाएं शामिल हैं। ऐसे में, तेलंगाना के लिए पार्टी के घोषणापत्र में एक तोले सोने के वायदे की अटकलों पर अविश्वास की वजह नजर नहीं आती, क्योंकि यह दक्षिण की सियासत के मुफीद भी है। तमिलनाडु समेत कई प्रदेशों में दशकों से मंगलसूत्र और साड़ी देने की योजना जारी ही है। जाहिर है, आलोचकों ने इसे चुनावी रेवड़ी बताने में कोई देरी नहीं लगाई। विडंबना यह है कि इस होड़ में तमाम पार्टियां शामिल हैं और मुफ्त बिजली, पानी, साइकिल, लैपटॉप, मोबाइल, मंगलसूत्र, स्कूटी की योजनाओं की सूची चुनाव-दर-चुनाव लंबी ही होती जा रही है। इसकी कीमत सार्वजनिक विकास की नीतियों को चुकानी पड़ती है, क्योंकि राज्यों की माली हालत बहुत अच्छी नहीं है। मध्य प्रदेश का ही उदाहरण लें, तो राज्य के वित्त विभाग के मुताबिक, मार्च 2022 तक इस पर 2.95 लाख करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ लद चुका था। ऐसे में, कल्पना कीजिए कि कोई भी नई रियायती या मुफ्त योजना की शुरुआत उसकी आर्थिक स्थिति को कितने दबाव में लाएगी? अफसोस की बात है कि आदर्श आर्थिक प्रबंधन किसी राजनीतिक पार्टी के एजेंडे में नहीं है! किसी भी लोक-कल्याणकारी राज्य का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वह हाशिये के लोगों के हित में योजनाएं बनाए, ताकि सशक्त होकर वे मुख्यधारा में शामिल हो सकें। आज के समय में, जब प्रौद्योगिकी इतनी उन्नत हो चुकी है कि लक्षित वर्ग को पहचानने और जरूरतमंदों तक सीधी सरकारी मदद पहुंचाने में संसाधनों के रिसाव का कोई जोखिम नहीं रह बचा है, तब राज्य का पूरा जोर वहनीय ढांचागत विकास पर होना चाहिए। देश में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र पर जो दबाव है, वह किसी से छिपा नहीं है। इनमें सार्वजनिक क्षेत्र की सिमटती भूमिका तेजी के बढ़ते मध्यवर्ग के लिए आने वाले दिनों में बड़ा संकट खड़ी कर सकती है। आज के दौर में ही निजी क्षेत्र के उच्च शिक्षण संस्थान मध्यवर्ग की पहुंच से दूर होते जा रहे हैं। इसलिए, राजनीतिक दलों और सरकारों से यही अपेक्षा की जाएगी कि वे क्षणिक सियासी लाभ के बजाय दूरगामी हित की दूरदर्शिता दिखाएं! निस्संदेह, इसके लिए देश में चुनाव सुधार की दरकार है। आश्चर्य नहीं कि चुनावी रेवड़ियां बांटने की लगातार बढ़ती प्रवृत्ति के खिलाफ एक सामाजिक कार्यकर्ता की याचिका का सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया है और इसी माह की शुरुआत में निर्वाचन आयोग, केंद्र सरकार व मध्य प्रदेश और राजस्थान की सरकारों से जवाब मांगा है। अब इस मामले का फैसला तो अदालत को करना है, मगर राजनीतिक पार्टियों को गंभीरता से सोचना होगा कि लोगों के पैरों को मजबूती देनी बेहतर है या हाथों को बैसाखी!

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

कृषि क्षेत्र की चुनौतियां और समाधान

- कुलभूषण उपमन्यु

हमारे देश में कृषि क्षेत्र के सामने कई चुनौतियां हैं । एक ओर किसान के लिए कृषि को लाभदायक बनाने की चुनौती है तो दूसरी ओर मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को बचाने बढ़ाने की जरूरत है। मानव स्वास्थ्य का प्रश्न भी बहुत हद तक कृषि उत्पादों के जहर मुक्त होने पर निर्भर है। 140 करोड़ लोगों को खाद्यान्न उपलब्ध करवाने की जिम्मेदारी तो है ही। इन सारी चुनौतियों को कुछ-कुछ निपटाने की क्षमता हो, ऐसी कृषि पद्धति की तलाश लंबे समय से रही है। हरित क्रांति के पहले, अन्न के संकट से देश दो-चार था। हरित क्रांति आई तो अपने साथ रासायनिक खाद और फसल की बीमारियों से लड़ने वाले जहर लेकर आई। इन रासायनिक छिड़कावों के बाद जहरीले तत्वों का कुछ प्रतिशत अनाज, फल और सब्जी में बचा रह जाता है। रासायनिक खाद मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को धीरे-धीरे घटाते जाते हैं और रासायनिक खाद की मात्रा की मांग बढ़ती जाति है। इससे कृषि की लागत बढ़ जाती है। हालांकि बाजार की व्यवस्थाएं भी इससे मिल कर खेती को लगातार कम लाभदायक बनाने में अपनी भूमिका निभाती हैं। किंतु मिट्टी की घटती उत्पादकता का क्या करें। इससे निपटना उपरोक्त सभी चुनौतियों के संदर्भ में सबसे महत्वपूर्ण हो जाता है। खेती को टिकाऊ बनाने के लिए इसका महत्व सबसे ज्यादा है। इन सब बातों को देखते हुए देश भर में अपने-अपने स्तर पर चिंतन और प्रयोग शुरू हुए। किसान, जो रासायनिक कृषि का आदी हो गया था उसे विश्वास में लेना और यह सिद्ध करना की गैर रासायनिक कृषि में उपज में कोई कमी नहीं आने वाली है, यह भी अपने आप में एक वाजिब चुनौती थी। इन हालात में जैविक कृषि, ऋषि खेती, जीरो बजट खेती, (जिसे बाद में प्राकृतिक खेती भी कहा जाने लगा) और लो एक्सटर्नल इनपुट सस्टेनेबल खेती आदि कई प्रयोग हुए। असल में इन सभी प्रयोगों की साझी समझ यह थी कि खेती में जहरीली रासायनिक खादों, रासायनिक कीटनाशकों, और घास मारने वाली दवाइयों का प्रयोग न किया जाए और उपज में भी कोई कमी न आए। जैविक कृषि में गोबर की खाद व पत्तों की खाद को वैज्ञानिक तरीके से बनाने पर जोर दिया गया जिसमें गड्ढों में खाद बनाने और केंचुआ खाद बनाने पर जोर दिया गया। गोमूत्र से भी खाद बनाने की बात हुई। जीरो बजट खेती में गोमूत्र से जीवामृत, घन जीवामृत, बनाने पर जोर दिया गया। देसी गाय के मूत्र और गोबर थोड़ा सा डाल कर घोल बना कर यह खाद बनाई जाती है। इसके अलावा कीटनाशक भी जैविक तत्वों से बनाने का विकास किया गया। ऋषि खेती या पूर्ण प्राकृतिक खेती जापानी वैज्ञानिक डॉ. फुकुओका की वन स्ट्रा रेवोलुशन पर आधारित विधि है जिसमें जमीन को प्राकृतिक रूप से ही उपजाऊ बनाने की कला विकसित की गई, जिसमें रासायनिक तत्वों की बात तो दूर जैविक खाद या गोमूत्र आदि कुछ भी नहीं डाला जाता। न ही जमीन की जुताई की जाती। यह विधि तो ज्यादा प्रचलित नहीं हो पाई परन्तु जैविक और जीरो बजट खेती का प्रचार हुआ और उसके प्रयोगों के अच्छे परिणाम भी सामने आए। श्री विधि से धान और अन्य फसलों में भी भरपूर फसल प्राप्त करने के सफल प्रयोग हुए। देहरादून की संस्था पीपल सांइस इंस्टीट्यूट ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हिमाचल प्रदेश में भी उनके ही सहयोग से आरटीडीसी संस्था ने सफल प्रयोग किये जिसके परिणाम पालमपुर कृषि विश्व विद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ भी साझा उनकी देखरेख में किए गए। इसी तरह जीरो बजट खेती के प्रयोग भी अपनी सफलता सिद्ध करने में सफल हुए। आत्मा परियोजना के अंतर्गत इस दिशा में अच्छा काम हुआ। जिसे एक सफल शुरुआत कहा जा सकता है। ये जो भी दो-तीन तरह की गैर रासायनिक कृषि पद्धतियां हैं। इनके आपसी टकराव बेमायनी हैं। इनमें थोड़ा-थोड़ा अंतर जरूर है, किंतु असल लक्ष्य भी एक है और आपस में बहुत समानताएं भी हैं। इनके एकांगी प्रयोग से अच्छा हो की इन पद्धतियों के मिले-जुले रूप को सुविधा के अनुसार प्रयोग कर लिया जाए और इसे एक ही बड़ी योजना का हिस्सा माना जाए। इसे हम जहर मुक्त टिकाऊ खेती कह सकते हैं। अब चिंता है इसके व्यापक फैलाव की। सब किसान इससे लाभान्वित हों। फसल की लागत कम हो तो किसान का लाभांश भी बढ़े। जहर मुक्त अन्न, फल, सब्जी मिले तो जन-स्वास्थ्य भी सुधरे। दवाई की जरूरत कम हो तो आमजन आर्थिक दबाव मुक्त हो। रासायनिक खेती का एक और बड़ा नुकसान यह भी है कि जमीन की कार्बन प्रदूषण शक्ति कम होती जाती है, कार्बन उत्सर्जन बढ़ जाता है। जहर मुक्त खेती से जमीन की कार्बन प्रदूषण की शक्ति लगातार बढ़ती जाती है जिससे खेती की जमीन कार्बन सिंक का काम भी करने लगती है। यह जलवायु परिवर्तन के इस दौर में एक बड़ी उपलब्धी होगी। हिमालयी प्रदेशों को इसमें विशेष रुचि लेने की जरूरत इस लिए भी है क्योंकि जलवायु परिवर्तन के चलते और गलत विकास तकनीकों के कारण हम ही प्राकृतिक आपदाओं के शिकार हो रहे हैं। जहर मुक्त कृषि जलवायु नियंत्रण में सकारात्मक योगदान देने वाली साबित होगी। इसके साथ ही जुड़ी हुई दूसरी बात है फसल चयन। जिस तरह से कुछ पुराने अन्न कोदरा, कंगनी, सांवां, बाजरा आदि की गुणवत्ता और पौष्टिकता को पहचाना गया है, यह सराहनीय है और इसे जहर मुक्त खेती का जरूरी हिस्सा होना चाहिए। क्योंकि ये अन्न कई बीमारियों के इलाज में लाभदायक है। इनमें गेहूं और चावल के मुकाबले बहुत अधिक पौष्टिक तत्व हैं। सरकार कुछ प्रयास कर भी रही है, किंतु बहुत कुछ करना बाकी है। प्रायोगिक तौर तो जहर मुक्त खेती पर कार्य हो रहा है। कुछ सरकार कर रही हैं। कुछ संस्थाएं भी कर रही हैं। किंतु इसे मुख्यधारा में लाना अभी बाकी है, जिसके बिना असली लाभ दृष्टिगोचर नहीं हो सकता। जहर मुक्त खेती को मुख्यधारा में लाने का कार्य सरकार के सीधे खुले सहयोग के बिना नहीं हो सकता। कृषि विश्व विद्यालय का प्रसार कार्य और कृषि विभाग के प्रसार प्रभाग को इस दिशा में सक्रिय किये जाने की जरूरत है। हमें पूरी आशा है कि राज्य को पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित करने के संकल्प वाली सरकार जो प्रदूषण मुक्त विद्युत चालित वाहनों को प्रोत्साहन जैसे स्वागत योग्य कदम उठा रही है, वह जहर मुक्त कृषि पर भी विशेष ध्यान देगी। वैसे भी इससे सरकार पर रासायनिक खाद, कीटनाशकों आदि पर होने वाले खर्चों का बोझ भी कम ही होगा।

(लेखक, पर्यावरणविद् और जल-जंगल-जमीन के मुद्दों के जानकार हैं।)

संवेदनशील क्षेत्रों में जलस्रोतों का संरक्षण जरूरी

पंकज चतुर्वेदी

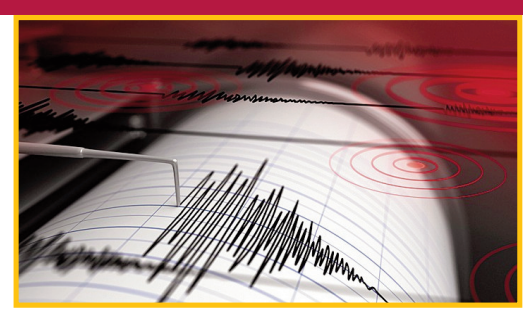

गत चार अक्तूबर को उत्तरी भारत के साथ दिल्ली एनसीआर में करीब 15 सेकंड तक धरती थर्राई। यह झटका रेक्टर स्केल पर पर 6.2 का था, जिसे अति गंभीर माना जाता है। उसके बाद से पिछले पंद्रह दिनों में दिल्ली के आसपास तीन बार और भूकंप आ चुका है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने दिल्ली एनसीआर में भूकम्प के बीते 63 सालों के आंकड़ों के आकलन में पाया है कि अतिक्रमण व अवैध कब्जों की भेंट चढ़ रहे जलाशयों के ऊपर इमारतें भले खड़ी हो गई हों, लेकिन उनके नीचे पानी में अभी भी भूकंप के झटके लगते रहते हैं। एनसीएस के मुताबिक, एक जनवरी, 1960 से लेकर 31 मार्च, 2023 के दरम्यान दिल्ली-एनसीआर में अधिकेंद्र वाले कुल 675 भूकंप आए हैं। लेकिन साल 2000 तक 40 वर्षों में जहां केवल 73 भूकंप दर्ज किए गए, वहीं इसके बाद 22 वर्षों में 602 भूकंप रिकॉर्ड किए गए। भारत के कुल क्षेत्रफल का 54 फीसदी भूकंप संभावित क्षेत्र के रूप में चिन्हित है। दिल्ली को खतरे के लिए तय जोन-चार में आंका है, जहां भूकंप आने की संभावनाएं गंभीर स्तर की हैं। भूकंप संपत्ति और जन-हानि के नजरिये से सबसे भयानक प्राकृतिक आपदा है। महज जागरूकता और अपने आसपास को इस तरह से सुरक्षित करना कि कभी भी धरती हिल सकती है, बस यही इसका निदान है। हमारी धरती जिन सात टेक्टोनिक प्लेटों पर टिकी हैं, यदि इनमें कोई हलचल होती है तो धरती कांपती है। एनसीएस के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर में आने वाले भूकंप अरावली पर्वतमाला के नीचे बने छोटे-मोटे फॉल्टों के कारण आते हैं, जो कभी-कभी ही सक्रिय होते हैं। यहां प्लेट टेक्टोनिक्स की प्रक्रिया भी बहुत धीमी है। शुरुआत में भूकम्प के झटके बहुत सामान्य थे जिनकी तीव्रता 1.1 से 5.1 तक थी लेकिन जैसे-जैसे इस समग्र महानगर में जल निधियां सूखना शुरू हुईं, सन ् 2000 के बाद भूकंप की तीव्रता में तेजी आ रही है। खासकर यमुना के सूखने और उसकी कछार की जमीन पर निर्माण ने भूकम्प से नुकसान की संभावना को प्रबल कर दिया है। विदित हो कि भारत आस्ट्रेलियन प्लेट पर टिका है और हमारे यहां अधिकतर भूकंप इस प्लेट के यूरेशियन प्लेट से टकराने के कारण उपजते हैं। भूकंप के झटकों का कारण भूगर्भ से तनाव-ऊर्जा उत्सर्जन होता है। यह ऊर्जा अब भारतीय प्लेट के उत्तर दिशा में बढ़ने और फॉल्ट या कमजोर जोनों के जरिये यूरेशियन प्लेट के साथ इसके टकराने के चलते एकत्र हुई है। जानना जरूरी है कि हिमालयी भूकंपीय क्षेत्र में भारतीय प्लेट का यूरेशियन प्लेट के साथ टकराव होता है और इसी से प्लेट बाउंडरी पर तनाव ऊर्जा संगृहीत हो जाती है जिससे क्रिस्टल छोटा हो जाता है और चट्टानों का विरूपण होता है। ये ऊर्जा भूकंपों के रूप में कमजोर जोनों एवं फॉल्टों के जरिये सामने आती है। हालांकि, भूकंप कब, कहां और कितनी अधिक ऊर्जा (मैग्नीट्यूड) के साथ आ सकता है, इसकी अभी कोई सटीक तकनीक विकसित हो नहीं पाई है, केवल किसी क्षेत्र की अति संवेदनशीलता को उसकी पूर्व भूकंपनीयता, तनाव बजट की गणना, सक्रिय फाल्टों की मैपिंग आदि से समझा जा सकता है। आज जरूरी है कि जिन इलाकों में बार-बार धरती डोल रही है वहां भूवैज्ञानिक अध्ययनों का पूरी तरह उपयोग करते हुए उप-सतही संरचनाओं, ज्यामिति तथा फाल्टों एवं रिजों के विन्यास की जांच की जानी है। चूंकि नरम मृदाएं संरचना की बुनियादों को सहारा नहीं दे पातीं, भूकंप प्रवण क्षेत्रों में बेडरॉक या सख्त मृदा की सहारा वाली संरचनाओं में कम नुकसान होता है। इस प्रकार, नरम मृदाओं की मोटाई के बारे में जानने के लिए मृदा द्रवीकरण अध्ययन किए जाने की भी आवश्यकता है। सक्रिय फॉल्टों को निरूपित किया जाना है वहीं जीवनरेखा संरचनाओं या अन्य अवसंरचनाओं को नजदीक के सक्रिय फॉल्टों से बचा कर रखे जाने और उनका भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुरूप निर्माण किए जाने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की सवा तीन करोड़ लोगों की आबादी का चालीस फीसदी इलाका अनधिकृत है तो 20 फीसदी के आसपास बहुत पुराने निर्माण। बाकी रिहाइशों में से बमुश्किल पांच फ़ीसदी के निर्माण या उसके बाद यह सत्यापित किया जा सका कि यह भूकंपरोधी है। बहुमंजिला मकान, छोटे से जमीन के टुकड़े पर एक के ऊपर एक डिब्बे जैसी संरचना, बगैर किसी इंजीनियर की सलाह के बने परिसर, छोटे से घर में ही संकरे स्थान पर रखे ढेर सारे उपकरण व फर्नीचर, भूकंप के खतरे से बचने की चेतावनियों को नजरअंदाज करने की मजबूरी भी है और कोताही भी। वल्नरेबिलिटी काउंसिल ऑफ इंडिया की बिल्डिंग मैटीरियल एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन काउंसिल द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में दावा किया गया था कि दिल्ली के 91.7 प्रतिशत मकानों की दीवारें पक्की ईंटों से जबकि 3.7 प्रतिशत की दीवारें कच्ची ईंटों से बनी हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार, ईंटों से बनी इमारतों में भूकंप के दौरान सर्वाधिक तबाही होती है। राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई), हैदराबाद के एक शोध से स्पष्ट हुआ कि भूकंप का एक बड़ा कारण धरती की कोख से जल का अंधाधुंध दोहन करना भी है। भू-विज्ञानियों के अनुसार, भूजल धरती के भीतर लोड यानी भार के तौर पर उपस्थित होता है। इसी लोड के चलते फाल्ट लाइनों में भी संतुलन बना रहता है। देश के जिन भी इलाकों में यदा-कदा धरती कांपती रहती है, उन सभी शहरों-जिलों में पारम्परिक जल-निधियों- जैसे तालाब, झील, बावड़ी, छोटी नदियों को पानीदार बनाए रखना जरूरी है। साथ ही शहरों में आबादी का घनत्व कम किया जाए, जमीन पर मिट्टी की ताकत मापे बगैर कई मंजिला भवन खड़े करने और बेसमेंट बनाने पर रोक लगाई जाए। भूजल के दोहन पर सख्ती हो, इसके साथ ही देश के भूकंप संभावित इलाकों के सभी मकानों में भूकंप रोधी रेट्रोफिटिंग करवाई जाए। वहीं पारम्परिक जल निधियों को सूखने से जरूर बचाया जाये।

विचार मंथन

जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता हुई तारतार

(लेखक - सनत जैन)

निठारी कांड की जांच सीबीआई द्वारा की गई थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सबूतों के अभाव में पंधेर पाल और कोली को बरी कर दिया है। 2005 में निठारी कांड की जांच सीबीआई ने की थी। निठारी कांड में मासूम बच्चों और महिलाओं को अमानवीय तरीके से मारा गया था। नोएडा सेक्टर 31के निठारी गांव की यह घटना थी। 2003 में पंधेर पाल ने सुरेंद्र कोली को नौकर रखा था। पंधेरपाल के पत्नी और बच्चे उसे छोड़कर चले गए थे। वह बंगले पर कॉल गर्ल को बुलाता था। सेवा के लिए सुरेंद्र कोली को नौकर रखा था। 14 साल की रिंपा हलदर गायब हो गई थी। जब इसकी रिपोर्ट लिखी गई और मामले की जांच की गई, तो पंधेर के घर के पीछे नाले में प्लास्टिक का एक बैग मिला। जिसमें लाश के टुकड़े थे। जब इस मामले में बवाल बढा,तो इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी गई थी। सीबीआई की जांच में 19 लड़कियों के कंकाल नाले में मिले थे। सीबीआई ने पंधेर और कोली को गिरफ्तार किया था। सीबीआई की जांच में पता लगा कि कोली लाश के छोटे-छोटे टुकड़े कर उन्हें पकाकर खाता था। इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट में चल रही थी। हाईकोर्ट ने 308 पेज का जो फैसला सुनाया है। उसमें सीबीआई की जांच पर गंभीर सवाल उठाए हैं। हाई कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा है, निठारी कांड की जांच में जिम्मेदार एजेंसी सीबीआई का रवैया जनता के साथ विश्वास घात करने से कम नहीं है। यह मामला इसलिए भी चिंताजनक माना गया, कि बड़ी संख्या में मासूम बच्चों और महिलाओं की अमानवीय तरीके से हत्या करके उनका मांस पका कर खाया गया। उनकी हड्डियों को नाले में फेंक दिया गया। हाईकोर्ट ने कहा सीबीआई ने जांच के बुनियादी मानदंडों का उल्लंघन किया। मामले को एक तरह से रफा दफा करने का प्रयास किया। सीबीआई ने इतने अमानुषिक कृत्य के अपराध को सिद्ध करने और सबूत जुटाने मे थोड़ी सी भी संवेदनशीलता का परिचय नहीं दिया। हाईकोर्ट ने निर्णय में कहा कि पूरा प्रकरण कोली के कबूलनामे पर आधारित है। सीबीआई ने पहले कोली को आरोपी बनाया। उसके बाद सारे आरोप नौकर कोली पर शिफ्ट करके मुख्य आरोपी को बचाने का प्रयास किया। सीबीआई ने कोई भी ठोस और वैज्ञानिक सबूत पेश नहीं किये, जो आश्चर्यजनक है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश एसएएच रिजवी और न्यायमूर्ति अश्विनी मिश्र की बेंच ने निठारी कांड की जांच में सीबीआई की भूमिका पर कहा, सीबीआई की यह भूमिका किसी विश्वासघात से कम नहीं है। सीबीआई जांच एजेंसी को लेकर लोगों में बड़ा विश्वास होता था। हर संवेदनशील और जटिल मामले में पूरे देश भर में सीबीआई से जांच कराने की मांग आती थी। सीबीआई की जांच पर सभी को विश्वास होता था। लेकिन अब यह विश्वास खत्म होता जा रहा है। यह माना जा रहा है कि सीबीबी सरकार के इशारे पर काम करती है। सीबीआई की भूमिका भी पुलिस की तरह काम करने जैसी हो गई है। कई राज्य सरकारों ने सीबीआई को बिना अनुमति जांच करने पर रोक लगा दी है। माना जाता है कि सीबीआई भी अब राजनीतिक आकाओं के इशारे पर काम करती है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से सीबीआई और ईडी जांच एजें सियां काम कर रही हैं। उससे जांच एजेंसी की भूमिका को लेकर लोगों का विश्वास घटता चला जा रहा है। पिछले चार-पांच वर्षों में सीबीआई और केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ने जिन मामलों की जांच की है। उनमें सबूत भी वर्षों-वर्षों तक न्यायालय में पेश नहीं किए जाने के कई मामले सामने आ चुके हैं। कई महीने तक आरोपियों को गिरफ्त में रखने के बाद भी सीबीआई और ईड़ी न्यायालय में चार्जशीट नहीं पेश कर पाती है। जिन मामलों में चार्ज शीट पेश की जाती है। उन मामलों में आरोप सिद्ध नहीं होते हैं। कई महीने और वर्षों तक आरोपियों को सीबीआई पूछताछ और सबूत जुटाने के नाम पर न्यायिक हिरासत में जेलों में बंद रखती है। हाईकोर्ट ने जिस तरह से सीबीआई की जांच पर नाराजगी जताई है। जिन दर्जनभर लड़कियों की हत्या की गई थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डॉबर को मिला 321 करोड़ रुपये के जीएसटी भुगतान का नोटिस

नई दिल्ली । तेल, साबुन जैसी रोजमर्रा की वस्तुएं बनाने वाली कंपनी डाबर को इस बार 320.60 करोड़ रुपये का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) भुगतान करने का नोटिस मिला है। मिली जानकारी के अनुसार डाबर इंडिया को यह रो शि जुर्माने के साथ तय समय सीमा में जमा करनी है। हालों कि कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी संबंधित प्राधिकरण के पास मामले को गुण-दोष के आधार पर चुनौती देगी। कंपनी ने कहा कि डाबर को केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) अधिनियम, 2017 की धारा 74(5) के तहत कर देनदारी के बारे में सूचना मिली है। इसमें जीएसटी के रूप में 320.60 करोड़ रुपये ब्याज और जुर्माने के साथ भुगतान करने की सलाह दी गयी है। ऐसा नहीं करने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। हालांकि, डाबर कंपनी ने यह साफ किया है कि जीएसटी की मांग से कंपनी की वित्तीय, संचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। कंपनी ने कहा है कि यह प्रभाव अंतिम कर देनदारी तक सीमित रहेगा।

ट्रैवल टेक फर्म एक्सपीडिया ने दूसरे दौर में 100 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला = रिपोर्ट

ट्रैवल टेक फर्म एक्सपीडिया ने दूसरे दौर में 100 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका स्थित ट्रैवल टेक कंपनी एक्सपीडिया ग्रुप ने नौकरी में कटौती के दूसरे दौर में लगभग 100 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है, जिसका असर उसके उत्पाद और तकनीकी संगठन पर पड़ा है। स्किफ्ट के अनुसार, साल 2022 के अंत में कंपनी में 16,500 कर्मचारी थे और 100 कर्मचारी इसके वैश्विक कार्यबल के एक प्रतिशत से भी कम का प्रतिनिधित्व करते हैं। कंपनी के एक प्रवक्ता के अनुसार, हम अपने ग्राहकों को बेहतरीन यात्रा अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध हैं क्योंकि मांग अधिक बनी हुई है। जैसे-जैसे हम अपने व्यवसाय परिवर्तन के साथ संचालन को संरेखित करते हैं, इसके परिणामस्वरूप कुछ भूमिकाएं समाप्त हो सकती हैं। हम अपनी रणनीति में आश्वस्त हैं और अपने सभी कर्मचारियों के योगदान को महत्व देते हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी ने पुष्टि की है कि यह हाल के महीनों में नौकरी में कटौती का दूसरा दौर था, लेकिन उसने पहले दौर के बारे में कोई डिटेल नहीं दी। रिपोर्ट के अनुसार, प्रभावित लोगों में से कई ने एक्सपेडिया समूह के डेटा और एआई समूहों में काम किया है। इस बीच, माइक्रोसॉफ्ट के मालिकाना हक वाले लिंक्डइन ने घोषणा की है कि वह कंपनी की इंजीनियरिंग, उत्पाद, प्रतिभा और वित्त टीमों में लगभग 668 नौकरियों में कटौती करेगी। लिंक्डइन ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा, आज हमने अपनी टीम के साथ जो बदलाव साझा किए हैं, उनके परिणामस्वरूप हमारी इंजीनियरिंग, उत्पाद, प्रतिभा और वित्त टीमों में लगभग 668 भूमिकाएं कम हो जाएंगी। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह कटौती तब हुई है जब व्यवसाय-उन्मुख सोशल नेटवर्क ने लगातार आठ तिमाहियों से धीमी राजस्व वृद्धि का अनुभव किया है।

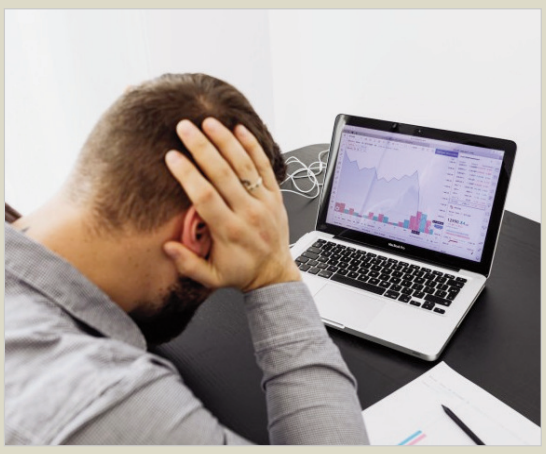

एचपी ने भारतीय यूजर्स के लिए नए पवेलियन प्लस लैपटॉप किए लॉन्च

नई दिल्ली।

पीसी और प्रिंटर प्रमुख एचपी ने बुधवार को युवा कस्टमर्स के लिए भारत में टॉप फीचर्स के साथ अपने लेटेस्ट पवेलियन प्लस नोटबुक पेश किए।एचपी पवेलियन प्लस 16 लैपटॉप वार्म गोल्ड और नेचुरल सिल्वर कलर्स में 1,24,999 रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध है। कंपनी ने कहा कि एचपी पवेलियन प्लस 14 लैपटॉप मूनलाइट ब्लू और नेचुरल सिल्वर में 91,999 रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध है। नया पोर्टफोलियो सुपर व्यूइंग एक्सपीरियंस के लिए आईमैक्स-एनहान्स डिस्प्ले के साथ आता है। लैपटॉप लेटेस्ट 13वीं जनरेशन के इंटेल कोर प्रोसेसर, एएमडी रयजेन 7 सीरीज प्रोसेसर और निर्बाध परफॉर्मेंस के लिए एनवीडिया आरटीएक्स 3050 ग्राफिक्स द्वारा संचालित हैं।

कंपनी ने कहा, स्मार्ट-एआई फीचर्स के लिए एचपी प्रेजेंस 2.0 से लैस, लैपटॉप बेहतर कोलैबोरेशन और प्रोडक्टिविटी सक्षम करते हैं। एचपी इंडिया के वरिष्ठ निदेशक विक्रम बेदी ने कहा, 'नए एचपी पवेलियन प्लस लैपटॉप को हमारे यूजर्स की हाइब्रिड लाइफस्टाइल्स को सहजता से समायोजित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें सहज डिजाइन, सुपर व्यूइंग एक्सपीरियंस के लिए आईमैक्स-एनहान्स डिस्प्ले और प्रोडक्टिविटी और प्राइवेसी के लिए स्मार्ट एआई फीचर्स शामिल हैं।' एचपी प्रेजेंस 2.0 के माध्यम से, आप उनके वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग एक्सपीरियंस को बेहतर बना सकते हैं और कोलैबोरेशन को बढ़ावा दे सकते हैं। ब्लर बैकग्राउंड्स और उन्हें कस्टम इमेज से बदलने की क्षमता के साथ, व्यक्ति अपने वीडियो कॉल को बेहतर बना सकते हैं। 'ऑटो फ्रेम' फीचर गारंटी देता है कि वीडियो कॉल के दौरान चलते समय भी यूजर्स फोकस में रहेंगे। इसके अलावा, ये लैपटॉप लाइटिंग को समायोजित करने और स्किन टोन को सही करने के ऑप्शन प्रदान करते हैं, जिससे यूजर्स लाइट के बावजूद खुद को बेस्ट लाइट में प्रस्तुत करने में सक्षम होते हैं। एचपी पवेलियन प्लस 16 यूजर्स को 68 डब्ल्यूएचआर क्षमता की बैटरी लाइफ के साथ अपने काम को पूरा करने की अनुमति देता है। 5 मेगापिक्सल आईआर कैमरे के साथ, कंज्यूमर्स फैमिली, फ्रैंड्स या क्लीग्स के साथ जुड़े रह सकते हैं। 120 हर्ट्ज वैरिएबल रिफ्रेश रेट वाला पवेलियन प्लस 16 अतिरिक्त प्राइवेसी के लिए विंडोज हैलो के साथ एक मैनुअल कैमरा शटर के साथ आता है।पवेलियन प्लस 14 लैपटॉप का वजन 1.4 किलोग्राम है और यह 17.5 मिमी पतले हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को रुपया एक पैसे की गिरावट के साथ ही 83.27 पर बंद हुआ। इससे पहले अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आज सुबह रुपया 3 पैसे बढ़कर 83.23 पर खुला। वहीं गत दिवस डॉलर के मुकाबले रुपया 83.26 के स्तर पर बंद हुआ था। आज रुपया 83.25 के उच्च जबकि 83.22 के निम्न स्तर पर पहुंचा। वहीं डॉलर इंडेक्स 106.16 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। डॉलर 106.33 के उच्च स्तर पर रहा। वहीं डॉलर इंडेक्स 106.15 के निचले स्तर पर रहा। अमेरिकी बॉन्ड यील्ड बढ़त के साथ 4.8 फीसदी पर पहुंची है। इससे भी रुपये पर दबाव पड़ा है। अमेरिका में रिटेल बिक्री आंकड़ों के बाद ये बढ़त आई है। वहीं कच्चा तेल करीब 2 फीसदी बढ़ा है। बेंट क्रूड का भाव 91 डॉलर के ऊपर पहुंचा है। दूसरी ओर डब्ल्यूटीआई का भाव 88 डॉलर के पार निकला है। इजरायल-हमास संघर्ष के कारण तेल के दाम तेजी से बढ़े हैं। वहीं डालर के मुकाबल एशियाई मुद्रा में मिश्रित कारोबार हो रहा है।

एप्पल आईपैड लाइनअप के अपडेटेड वर्जन की कर सकता है घोषणा

- टॉप-ऑफ-द-लाइन सिलिकॉन चिप और अन्य इंटरनल अपग्रेड शामिल

सैन फ्रांसिस्को ।

चालू सप्ताह में एप्पल कंपनी आईपैड लाइनअप के अपडेटेड वर्जन की घोषणा कर सकता है, जिसमें टॉप-ऑफ-द-लाइन सिलिकॉन चिप और अन्य इंटरनल अपग्रेड शामिल हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, आईपैड एयर, आईपैड मिनी और बेस मॉडल आईपैड को रिफ्रेश किए जाने की उम्मीद है और कंपनी को जरूरी डिजाइन बदलावों के बजाय अपडेट करने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, आईपैड एयर और आईपैड मिनी के लिए अपडेट वास्तव में आने वाले हैं। यह अक्टूबर रिफ्रेश टैबलेट को नई जनरेशन के एप्पल सिलिकॉन चिप के साथ अपडेट करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, आईपैड एयर और आईपैड मिनी को क्रमशः एम2 और ए16 बायोनिक चिप से जोड़ा जाएगा। नेक्स्ट जनरेशन के आईपैड प्रो में पहली बार ओएलईडी डिस्प्ले के फीचर होने की उम्मीद है। एप्पल ने पिछले साल आईपैड एयर (एम1 चिप के साथ) और 10वीं जनरेशन के आईपैड को रीफ्रेश किया था। रिपोर्ट में कहा गया है, नए आईपैड मिनी में ए16 बायोनिक चिप होनी चाहिए, जो मौजूदा ए15 बायोनिक चिप की तुलना में थोड़ा सुधार पेश करेगी।10वीं जनरेशन का मॉडल एक नया पतला बेज़ल डिजाइन, नए कलर्स और एक टच आईडी साइड बटन लेकर आया है। यह वर्तमान में ए14 बायोनिक चिप द्वारा संचालित है। आईपैड प्रो लाइनअप वही रहेगा। पहले की रिपोर्टों के अनुसार, नए आईपैड मिनी में जेली स्क्रॉलिंग समस्या के प्रभाव को संबोधित करने के लिए एक नया डिस्प्ले कंट्रोलर होगा। बेस मॉडल आईपैड को आखिरी बार एक साल पहले अपडेट किया गया था।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 551 , निफ्टी 143 अंक टूटा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई है। इसके साथ ही इजरायल और हमास के बीच जारी संघर्ष से ही बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इससे भारत और दुनिया भर में बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी के कारण भी निवेशक सतर्कता बरत रहे हैं।

बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.85 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.32 फीसदी नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई का तीस शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 551.07 अंक करीब 0.83 फीसदी नीचे आकर 65,877.02 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 66,475.27 तक ऊपर जाने के बाद 65,842.10 तक गिरा।

दूसरी ओर पचास शेयरों वाले नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 143.85 अंक तकरीबन 0.73 फीसदी गिरा है। निफ्टी दिन के अंत में 19,667.65 अंक पर नीचे आकर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,840.95 तक ऊपर जाने के बाद 19,659.95 तक टूटा।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में केवल 4 शेयर लाभ के साथ ही उछले। टाटा मोटर्स, सन फार्मा, मारुति, महिंद्रा एंड महिंद्रा सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। टाटा मोटर्स के शेयर 1.92 फीसदी ऊपर आये। दूसरी तरफ सेंसेक्स के शेयरों में 26 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। बजाज फाइनैंस, बजाज फिनसर्व, एनटीपसी, एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। सबसे ज्यादा नुकसान बजाज फाइनैंस के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 2.72 फीसदी टूटे हैं। इसके अलावा रिलायंस, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक बैंक, इंडसइंड बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, टेक महिंद्रा, विप्रो, टाइटन, एलएंडटी, एसबीआई और टीसीएस के शेयर भी गिरे।

इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ खुले। दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों से सेंसेक्स 100.38 अंक नीचे आकर 66,327.71 के स्तर पर खुला। वहीं निफ्टी 22.70 अंक नीचे आकर 19,788.80 के स्तर पर कामकाज करता दिखा। इजरायल और हमास के बीच जारी संघर्ष तेज होने से भी बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। वहीं चीन की तीसरी तिमाही की जीडीपी 4.9 फीसदी बढ़ी है। जापान, दक्षिण कोरिया, चीन के प्रमुख सूचकांक 0.04 फीसदी से 0.3 फीसदी नीचे गिरे। ऑस्ट्रेलियाई बाजार में लाभ हुआ जबकि हांगकांग के बाजार में मिला-जुला कारोबार हुआ। अमेरिकी बाजारों में एसएंडपी500 0.01 फीसदी नीचे आया। नैस्डैक 0.25 फीसदी फिसला जबकि डॉओ जोन्स 0.04 फीसदी बढ़ गया। इससे पहले गत दिवस घरेलू बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

सुजूकी मोटर को प्लांट के लिए मारुति 1 करोड़ 23 लाख के शेयर जारी करेगी

नई दिल्ली ।

देश की शीर्ष कार निर्माता कंपनी मारु ति सुजुकी इं डिया द्वारा मारु ति मोटर के लिए 1 करोड़ 23 लाख शेयर जारी करने की जानकारी दी है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि वह जापानी वाहन निर्माता से लोकल मैन्युफैक्रिंग प्लांट खरीदने के लिए भुगतान के रूप में सुजुकी मोटर को 1 करोड़ 23 लाख शेयर जारी करेगी। कंपनी ने कहा कि इश्यू 10,420.85 रुपये प्रति शेयर पर होगा। यह पहली बार है कि जुलाई में अधिग्रहण योजना की घोषणा करने वाली मारुति ने पश्चिमी राज्य गुजरात में प्लांट के लिए मूल्य का खुलासा किया है। मारुति 1 करोड़ 23 लाख प्रेफरेस शेयर 10,420.85 रुपये प्रति शेयर के भाव पर जारी करेगी, जो सोमवार को स्टॉक के बंद भाव से 2.7 प्रतिशत की छूट है। सोमवार को कंपनी के शेयर में 0.6 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। शेयर इश्यू से मारुति में सुजुकी की हिस्सेदारी मौजूदा 56.48 फीसदी से बढ़कर 58.19 फीसदी हो जाएगी, जो मोटे तौर पर अगस्त में कंपनी के अनुमान के अनुरूप है। 2014 से सुजुकी ने मारुति के लिए कार बनाने वाले प्लांट में करीब 18,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। प्लांट ने 2017 में परिचालन शुरू किया और इसकी वार्षिक क्षमता 750,000 इकाइयों की है। बताया जा रहा है कि शेयरधारकों की मंजूरी के लिए मतदान बुधवार से शुरू होगा और एक महीने तक चलेगा। इस अधिग्रहण के बाद सुजुकी मोटर गुजरात (एसएमजी) उसकी (एमएसआई) पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी बन जाएगी। इस मामले में मारुति ने कहा है कि उसे उम्मीद है कि प्लांट का पूर्ण स्वामित्व उसे इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) सहित उत्पादन पर बेहतर पकड़ देगा और मांग में बदलाव के अनुसार उत्पादन को समायोजित करने में मदद करेगा। बता दें कि स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल पेश करने वाली कंपनी की पहली ईवी का निर्माण गुजरात प्लांट में किया जाएगा। इसकी 2030 तक छह ईवी मॉडल बनाने की योजना है, जिनमें से प्रत्येक का उत्पादन प्लांट में किया जाएगा। हालों कि इस खबर के बाद मारुति के शेयरों में 1।3 फीसदी की गिरावट आई, लेकिन आखिरी कारोबार में यह 10,635 रुपये पर बंद हुआ।

कीमतों पर नियंत्रण रखने के लिए सरकार ने चीनी के निर्यात पर प्रतिबंध बढ़ाया

नई दिल्ली। सरकार ने स्थानीय बाजार में चीनी की उपलब्धता बढ़ाने और त्योहारी सीजन के दौरान कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए बुधवार को इसके निर्यात पर प्रतिबंध को अगले आदेश तक आगे बढ़ाने की घोषणा की है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा जारी एक अधिसूचना में कहा गया है, चीनी (कच्ची चीनी, सफेद चीनी, परिष्कृत चीनी और जैविक चीनी) के निर्यात पर प्रतिबंध 31 अक्टूबर 2023 से अगले आदेश तक बढ़ा दिया गया है। अन्य शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी। देश की खुदरा मुद्रास्फीति सितंबर में तीन महीने के निचले स्तर 5.02 प्रतिशत पर आ गई है, जिससे उपभोक्ताओं को काफी राहत मिली है। पांच राज्यों में नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनावों और अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले सरकार खाद्य कीमतों को नियंत्रण में रखने का प्रयास कर रही है। खाद्य मुद्रास्फीति, जो समग्र उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में लगभग 46 प्रतिशत का योगदान देती है, सितंबर में घटकर 6.56 प्रतिशत हो गई। अगस्त में यह 9.94 प्रतिशत थी।

दीवाली बाद शुरु होगा बैंड,बाजा, बारात का सीजन, 4.25 लाख करोड़ कारोबार का अनुमान

नई दिल्ली ।

अगले माह दीवाली बाद से देश में बैंड, बाजा, बारात का सीजन शुरु हाने वाला है। इससे 4.25 लाख करोड़ रुपये का कारोबार होने की संभावना है। जानकार बता रहे हैं कि अगले महीने से शुरू हो रहे शादियों के सीजन में जमकर बिकवाली का अनुमान है। क्यों कि नवंबर-दिसंबर में लाखों शादियां होने की संभावना है, जिनसे पिछले साल की तुलना में इस साल अधिक कारोबार होने का अनुमान है। गौरतलब है कि शादियों के दौरान सोने-चांदी के आभूषण, साड़ी, लहंगा-चुन्नी, फर्नीचर, रेडीमेड कपड़े, कपड़े, जूते, शादी और ग्रीटिंग कार्ड, मेवे, मिठाइयां, फल, पूजा सामग्री, किराना, खाद्यान्न, सजावट का सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स और कई उपहार आइटम आदि की खूब मांग रहती है। मैरिज हॉल, बेंड, डीजे, टेंट आदि कारोबारियों को भी कारोबार मिलता है। इस मामले में कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि इस वर्ष 23 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच देश भर में लगभग 35 लाख शादियां संपन्न होने का अनुमान है। शादी से संबंधित सामानों की खरीद से इस दौरान 4.25 लाख करोड़ रुपये का खर्च इस सीजन में होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि पिछले साल इसी अवधि में करीब 32 लाख शादियां हुईं और खर्च 3.75 लाख करोड़ रुपये आंका गया था। दिल्ली में इस सीजन में 3.5 लाख से अधिक शादियों से करीब 1 लाख करोड़ रुपये का कारोबार होने की संभावना है। कैट की आध्यात्मिक एवं वैदिक ज्ञान समिति के अध्यक्ष एवं प्रख्यात वैदिक विद्वान आचार्य दुर्गेश तारे के अनुसार नक्षत्रों की गणना के अनुसार नवंबर में विवाह की तिथियां 23, 24, 27, 28, 29 हैं, जबकि दिसंबर माह में 3, 4,7, 8, 9 और 15 तारीखें विवाह के लिए शुभ दिन हैं। उसके बाद तारा एक महीने के लिए मध्य जनवरी तक डूब जाता है और फिर मध्य जनवरी से शुभ दिन शुरू हो जाएंगे। महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि इस शादी सीजन में करीब 6 लाख शादियों में प्रति शादी 3 लाख रुपये का अनुमानित खर्च आएगा, जबकि करीब 10 लाख शादियों में प्रति शादी करीब 6 लाख रुपये, 12 लाख शादियों में प्रति शादी लगभग 10 लाख खर्च होंगे। 6 लाख शादियों में प्रति शादी 25 लाख खर्च होंगे। 50 हजार शादियों में प्रति शादी 50 लाख खर्च होंगे, जबकि 50 हजार शादियां ऐसी होंगी जिनमें 1 करोड़ या उससे अधिक पैसे खर्च होंगे।

हुंडई कोना ईवी और आयोनिक 5 की बिक्री हुई कम

सबसे कम बिकने की वजह इनका इलेक्ट्रिक होना था

नई दिल्ली ।

सितंबर महीने में कंपनी की सबसे कम बिकने वाली कार में हुंडई कोना ईवी और आयोनिक 5 रहीं। इनके सबसे कम बिकने की वजह इनका इलेक्ट्रिक होना था। सितंबर 2023 में कंपनी इसकी केवल 176 यूनिट्स की बेच पाई है।

हुंडई आयोनिक 5 और कोना ईवी दोनों ही कंपनी की प्रीमियम इलेक्ट्रिक कारें हैं और इनकी कीमत भी कंपनी की लाइनअप में मौजूद अन्या कारों के मुकाबले फाफी अधिक है। यही वजह है कि इन कारों में सबसे बेहतर फीचर्स और परफार्मेंस मिलने के बावजूद इनकी बिक्री ज्यादा संख्या में नहीं हो रही है। मौजूदा समय में हुंडई भारतीय बाजार में आयोनिक 5 स्टैंडर्ड मॉडल की बिक्री कर रही है। इस कार में 72.6केडब्ल्यूएच के बैटरी पैक का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह मोटर 217 बीएचपी पॉवर और 350 एनएम टॉर्क आउटपुट देता है। कंपनी के दावे के अनुसार यह कार फुल चार्ज में 631 किलोमीटर की एआरएआई रेंज ऑफर करती है।

हुंडई ने दो चार्जिंग विकल्प पेश किए हैं जिसमें से एक 150के डब्ल्यू चार्जर है जो एसयूवी को 21 मिनट में 0 से 80 प्रतिशत तक चार्ज कर सकता है और दूसरा 50केडब्ल्यू चार्जर है जिससे एसयूवी को 0 से 80 प्रतिशत तक चार्ज होने में एक घंटे का समय लगता है। फीचर्स की बात करें तो इसमें इंटिग्रेटेड 12.3-इंच इंफोटेनमेंट और ड्राइवर डिस्प्ले, पैनोरमिक सनरूफ, वायरलेस फोन चार्जर, हवादार फ्रंट सीटें, डुअल-ज़ोन क्लाइमेट कंट्रोल और एक हेड-अप डिस्प्ले शामिल हैं। यात्री सुरक्षा के लिहाज से इसमें छह एयरबैग, ईबीडी के साथ एबीएस, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (ईएससी), एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) और एक 360-डिग्री कैमरा मिलता है। आयोनिक 5 का मुकाबला वोल्वो एक्ससी40 रिचार्ज और किआ ईवी6 से है।

बता दें कि कोना ईवी की कीमत 25.30 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है। सितंबर 2023 में ये इलेक्ट्रिक एसयूवी केवल 69 यूनिट्स की बिकी। वहीं अगस्त 2023 में इसकी बिक्री 91 यूनिट्स थी। हुंडई की दूसरी सबसे कम बिकने वाली कार आयोनिक 5 रही। यह भी एक इलेक्ट्रिक कार है जिसकी कीमत 45.95 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है।

बजाज फाइनेंस का मुनाफा बढ़कर 28 फीसदी हुआ, इस साल 3,551 करोड़ की हुई कमाई

नई दिल्ली ।

बजाज फाइनेंस का इस साल मुनाफा बढ़कर 28 फीसदी हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार ऋण देने वाली गैर-बैंक कंपनी बजाज फाइनेंस ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजों का ऐलान कर दिया है। हालों कि 30 सितंबर, 2023-24 को समाप्त तिमाही में बजाज फाइनेंस फाइनेंस का मुनाफ उम्मीद से कम रहा। जबे कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कंसोलिडेट नेट प्रॉफिट 3,551 करोड़ रुपये पर पंहुच गया। इस तरह से सालभर में 28 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। हालांकि, खराब ऋण बढ़ने के कारण कंपनी का मुनाफा उम्मीद से मामूली रूप से कम रहा। कंसोलिडेट आंकड़ों में ऋणदाता की सहायक कंपनियों, बजाज हाउसिंग फाइनेंस और बजाज फाइनेंशियल सिक्योरिटीज के कारोबार भी शामिल हैं। इसके अलावा सितंबर तिमाही में ऋण घाटा और प्रावधान सालाना आधार पर लगभग 47 प्रतिशत बढ़कर 10.77 अरब रुपये हो गया, जो एक साल पहले 7.34 अरब रुपये था। वहीं, अप्रैल-जून तिमाही में यह 9.95 अरब रुपये था आरबीआई ने उभरते तनाव के संकेतों के लिए तेजी से पर्सनल फाइनेंस ऋण श्रेणियों के बारे में ऋण देने वाली कंपनियों और बैंकों को आगाह किया है। साथ ही रिजर्व बैंक ने उनसे मजबूत जोखिम प्रबंधन प्रथाओं को अपनाने का आग्रह किया है। कंपनी का ग्रॉस नॉन-परफार्मिंग एसेट रेश्यो सितंबर के अंत में घटकर 0.91 प्रतिशत हो गया, जो कि जून के अंत में 0.87 प्रतिशत था। आरबीआई द्वारा लगातार चौथी नीति बैठक में अपनी प्रमुख उधार दर स्थिर रखने के बावजूद तिमाही के दौरान ऋण की मांग मजबूत रही है। गौरतलब है कि केंद्रीय बैंक ने मई 2022 से ब्याज दरों में 250 आधार अंकों या 2.5 प्रतिशत का इजाफा किया है। बजाज फाइनेंस ने एक अपडेट में बताया कि इस तिमाही में उसकी नई ऋण बुकिंग सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़ गई, जबकि जमा बुक में 39 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। कंपनी ने बीती तिमाही के दौरान 35.8 लाख नए ग्राहक जोड़े।

टेस्ला ने एपीआई दस्तावेज किया लॉन्च

फुल थर्ड-पार्टी ऐप इकोसिस्टम बनाने चल रही चर्चा

सैन फ्रांसिस्को ।

जाने-माने उदयोग पति एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ने थर्ड-पार्टी ऐप्स को सपोर्ट करने के लिए ऑफिशियल एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) दस्तावेज जारी किया है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इस समय एपीआई केवल उस कमांड को कवर करता है जिसे आप टेस्ला ऐप के माध्यम से अपनी कार पर भेज सकते हैं, और यह आपकी कार से ऐप पर जाने वाले डेटा को पिंग कर सकता है। यह बदलाव सभी थर्ड-पार्टी फ्लीट मैनेजमेंट ऐप्स और स्मार्टवॉच इंटीग्रेशन ऐप्स आदि को ऑफिशियल बनाने जा रहा है। एलन मस्क द्वारा संचालित कंपनी ने पहले अपने वाहनों के लिए फुल थर्ड-पार्टी ऐप इकोसिस्टम बनाने के लिए एक सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट किट (एसडीके) के बारे में बात की है।

ऑटोमेकर ने अब ऑफिशियल तौर पर एपीआई दस्तावेज जारी किया है, जो उनकी कारों के आसपास थर्ड-पार्टी ऐप कम्युनिटी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। टेस्ला के अनुसार, सभी थर्ड-पार्टी ऐप्स को अगले साल से नए एपीआई से गुजरना होगा।इसमें कहा गया है, 2024 से शुरू होकर, अधिकांश वाहनों को टेस्ला व्हीकल कमांड एसडीके के माध्यम से कमांड भेजने की आवश्यकता होगी। अगस्त में, टेस्ला के ऐप को ऐप्पल शॉर्टकट्स के साथ ऑटोमेशन के लिए समर्थन प्राप्त हुआ। इस बीच, टेस्ला ने 2023 की तीसरी तिमाही में 430,488 वाहनों का उत्पादन किया, जो पिछली तिमाही से 10 प्रतिशत कम है।तीसरी तिमाही में, कंपनी ने 430,000 से अधिक वाहनों का उत्पादन किया था और 435,000 से अधिक वाहनों की डिलीवरी की।

कंपनी ने तीसरी तिमाही में 435,059 वाहनों की डिलीवरी की, जो पिछली तिमाही की तुलना में 6.6 प्रतिशत कम है लेकिन साल दर साल 26.5 प्रतिशत की वृद्धि है।

गुणतिलका की श्रीलंकाई क्रिकेट में वापसी का रास्ता साफ

कोलंबो । क्रिकेटर धनुष्का गुणतिलका की श्रीलंकाई टीम में वापसी का रास्ता साफ हो गया है। इससे पहले गुणतिलका को ऑस्ट्रेलिया में लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों में दोषी नहीं पाया गया। इस मामले में गुणतिलका को ऑस्ट्रेलियाई अदालत ने बरी कर दिया था। इसी को देखते हुए श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने भी उनपर लगा प्रतिबंध हटा दिया है। इससे राष्ट्रीय टीम में उनकी वापसी में आ रही बाधाएं समाप्त हो गयी हैं। श्रीलंकाई क्रिकेट की ओर से कहा गया, 'स्वतंत्र जांच समिति ने इस क्रिकेटर पर गत वर्ष नवंबर 2022 में लगाया गया प्रतिबंध पूरी तरह से हटाने को कहा है। वहीं न्यू साउथ वेल्स की जिला अदालत ने उन्हें सभी आरोपों से बरी कर दिया है और वह तीन अक्टूबर को श्रीलंका लौट आए हैं। इसमें कहा गया, 'अब वह राष्ट्रीय टीम के लिए खेल सकते हैं। गौरतलब है कि नवंबर 2022 में गुणतिलका पर टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे में एक महिला ने जबरन यौन संबंध बनाने के आरोप लगाये थे। इस मामले में गुणतिलका की गिरफ्तारी भी हुई थी पर ऑस्ट्रेलिया में उन्हें चार दिन तक चले ट्रायल के बाद निर्दोष करार दिया गया था।

एकदिवसीय विश्वकप में आज भारत और बांग्लादेश में होगा मुकाबला

पुणे ।

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम गुरुवार को एकदिवसीय विश्व कप क्रिकेट मैच में बांग्लादेश के खिलाफ जीत के इरादे से मैदान में उतरेगी। अब तक अपने तीनो ही मैच जीतने से भारतीय टीम जहां अंक तालिका में शीर्ष पर है। वहीं उसका मनोबल भी बढ़ा हुआ है। भारतीय टीम ने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया , दूसरे में अफगानिस्तान और तीसरे में पाकिस्तान को हराया है। अब भारतीय टीम का लक्ष्य बांग्लादेश को हराकर टूर्नामेंट में लगातार चौथी जीत दर्ज करना रहेगा। हाल में जिस प्रकार इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका को नई टीमों से हार का सामना करना पड़ा है उसे देखते हुए भारतीय टीम बांग्लादेश को हल्के में लेने की भूल नहीं करेगी। वैसे भी बांग्लादेश ने पिछले चार एकदिवसीय में से तीन में भारत को हराया है। इसमें एशिया कप का एक मैच भी शामिल है। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित अपना आक्रामक रुख बरकरार रखेंगे। वहीं शीर्ष क्रम के बल्लेबाज शुभमन गिल और विराट कोहली भी इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। रोहित ने पिछले दो मैचों में 86 और 131 रनों की शानदार पारी अब तक भारत की ओर से सबसे अधिक रन बनाये हैं। उन्होनें पाक के खिलाफ 86 और अफगानिस्तान के खिलाफ 131 रनों की शतकीय पारी खेली। भारत अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर है और उनका लक्ष्य इसके बनाये रखना होगा। रोहित के जोड़ीदार शुभमन भी विश्वकप में बड़ी पारी खेलकर अपने को साबित करना चाहेंगे। इस साल की शुरुआत से ही वह अच्छी लय में हैं। पाकिस्तान के खिलाफ विराट रन नहीं बना पाये पर पहले दो मैच में उन्होंने अर्धशतक लगाये थे। विराट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 85 और अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद 55 रन बनाये। वहीं मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद अर्धशतक लगाकर भारतीय बल्लेबाजी की गहरायी को बढ़ा दिया है। बल्लेबाजी पिच पर भारतीय टीम को रोकना बांग्लादेशी गेंदबाजों के लिए आसान नहीं होगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो इस मैदान पर भारतीय टीम सात में से अपने चार मैच ही जीत पाई है, ऐसे में टीम यहां अपनी ओर से कोई कसर नहीं रखेगी। गेंदबाजी की कमासन जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव के पास रहेगी। अब तक भारतीय गेंदबाजों के सामने इस विश्वकप में बल्लेबाजों के लिए रन बनाना बेहद कठिन रहा है।

वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश के गेंदबाजों के लिए रोहित को रोकना सबसे कठिन रहेगा। रोहित अब तक शानदार फार्म में हैं। बांग्लादेश के लिए राहत की बात ये है कि उनके कप्तान शाकिब अल हसन अपनी चोट से उबर गये है और खेलने के लिए तैयार हैं। विश्व कप के पहले मैच में जीत और उसके बाद मिली दो हार से बांग्लादेश का मनोबल गिरा है। अब वह लगातार तीसरे मैच में नहीं हारना चाहेगी।

रोहित भारतीय टीम की कप्तानी के लिए सबसे बेहतर : पोंटिंग

नई दिल्ली ।

दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर रिकी पोंटिंग ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनकी कप्तानी में भारतीय टीम अपनी धरती पर दूसरी बार विश्वकप जीत सकती है। भारतीय टीम ने अब तक दो बार विश्वकप जीता है पर पहली बार उसने ये खिताब इंग्लैंड में जीता था। पोंटिंग ने कहा कि निडर और चिंतारित खेल रोहित की सफलता का कारण है। साथ ही कहा कि वह टीम पर किसी प्रकार का दबाव भी नहीं बनाते। इससे भी टीम और बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहती है। पोंटिंग ने कहा कि भारतीय टीम की कप्तानी के लिए रोहित सबसे उपयुक्त हैं। वहीं विराट कोहली से तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि विराट जज्बाती खिलाड़ी है जो दूसरे खिलाड़ियों को जवाब देने के साथ ही कठिन हालातों में दबाव में आ जाता है जबकि रोहित शांत रहकर काम करता है।

पोंटिंग ने आईसीसी ने , रोहित बहुत शांत स्वभाव का है। वह जो कुछ भी करता है उसमें बहुत शांत रहता है। आप उसके खेलने के तरीके से भी यह देख सकते हैं। वह मैदान के अंदर और बाहर भी इसी तरह का है। पोंटिंग ने कहा कि विश्व कप में भारत का नेतृत्व करने के लिए रोहित सबसे अच्छे व्यक्ति हैं जिससे कोहली को बल्लेबाजी की अपनी भूमिका पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्होंने कहा कि रोहित के लिए कप्तानी में कोई कठिनाई नहीं है। इससे कोई दिक्कत नहीं होगी। वह एक शानदार व्यक्ति हैं और लंबे समय से एक महान खिलाड़ी रहे हैं।

महिला क्रिकेट का घरेलू सत्र गुरुवार से , महाराष्ट्र की ओर से खेलेंगी मंधाना

नई दिल्ली ।

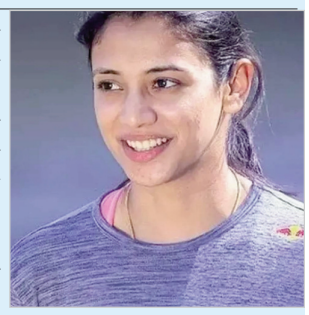

महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना के घरेलू सत्र में महाराष्ट्र की ओर से खेलने की संभावना है। ये 19 अक्टूबर से अगले साल 26 जनवरी तक आयोजित होगा इसी कारण मंधाना महिलाओं की बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में भी नहीं खेलेंगी।मंधाना ने आगामी घरेलू सत्र और व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम को देखते हुए डब्ल्यूबीबीएल में अपना नाम नहीं भेजा था। वहीं डब्ल्यूबीबीएल के लिए 122 खिलाड़ियों की सूची में कुल 18 भारतीय खिलाड़ी हैं जिसमें हरमनप्रीत (मेलबर्न रेनेगेड्स) और जेमिमा (मेलबर्न स्टार्स) की टीम में बनी रहेंगी। वहीं मंधाना पिछले साल भी डब्ल्यूबीबीएल में शामिल नहीं हुई थीं। वह आगामी घरेलू सत्र पर ध्यान लगाना चाहती हैं और साथ ही आगे के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय वर्ष के लिए अपने कार्यभार का प्रबंधन करना चाहती हैं। रिपोर्ट के अनुसार मंधाना जबकि डब्ल्यूबीबीएल 19 अक्टूबर से दो दिसंबर तक चलेगा। इंग्लैंड विदेशी खिलाड़ियों के ड्राफ्ट पूल में सबसे आगे हैं जिसकी 35 खिलाड़ी इसमें शामिल हैं। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका 20 खिलाड़ियों से दूसरे नंबर पर है जिसमें करिश्माई सलामी बल्लेबाज लौरा वोलवार्ट, लिजेल ली और शबनीम इस्माइल मौजूद हैं।

विश्व कप में कोई बड़ी टीमें नहीं हैं, सब एक जैसी है : विराट कोहली

पुणे।

भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली ने विश्व कप 2023 में अपने मैच से पहले बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल-हसन के गुणों पर बात की और कहा कि मेगा इवेंट में कोई टीम बड़ी नहीं है। कोहली ने स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत के दौरान शाकिब अल-हसन के बारे में कहा, इन वर्षों में मैंने उनके खिलाफ बहुत खेला है। उसके पास अद्भुत नियंत्रण है। वह बहुत अनुभवी गेंदबाज हैं। वह नई गेंद से बहुत अच्छी गेंदबाजी करता है, बल्लेबाज को धोखा देना जानता है और काफी किफायती भी है।आपको इन सभी गेंदबाजों के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा और यदि आप ऐसा करने में सक्षम नहीं हैं, तो ये गेंदबाज दबाव बनाने में सक्षम हैं और आपको आउट करने की संभावना बढ़ा सकते हैं। विश्व कप में कोई बड़ी टीमें नहीं हैं। जब भी आप केवल बड़ी टीमों पर ध्यान केंद्रित करना शुरू करते हैं, तो परेशानी होती है।कोहली कि बात गलत भी नहीं हैं क्योंकि मंगलवार को नीदरलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को और पिछले हफ्ते अफगानिस्तान ने गत चैंपियन इंग्लैंड को हराकर यह बात साफ कर दी है कि कोई भी टीम कम नहीं है। इस बीच, बांग्लादेश के क्रिकेटर शाकिब अल-हसन ने विराट कोहली के विकेट की कीमत पर बात की। उन्होंने कहा,

वह एक विशेष बल्लेबाज है, शायद आधुनिक युग का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज है।

मुझे लगता है कि मैं भाग्यशाली हूं कि उसे 5 बार आउट कर सका। निस्संदेह, उनका विकेट लेने से मुझे बहुत खुशी होगी। भारत के हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पांड्या ने भी शाकिब अल-हसन की कीमत के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि वह एक बहुत ही स्मार्ट क्रिकेटर हैं। उन्होंने कई वर्षों तक बांग्लादेश को अपने कंधों पर उठाया है।

संक्षिप्त समाचार

पीसीबी ने आईसीसी से की अहमदाबाद में दर्शकों के व्यवहार की शिकायत

वीजा में देरी का मामला भी उठाया

दुबई । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भारत के खिलाफ विश्वकप लीग मुकाबले के दौरान अहमदाबाद में भीड़ के व्यवहार और पत्रकारों को वीजा देने में देर करने की शिकायत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से की है। पीसीबी ने अपनी इस शिकायत में कहा कि दर्शकों का व्यवहार उसके प्रति ठीक नहीं था। इसके साथ ही पत्रकारों को वीजा देने में भी देरी की गयी जबकि प्रशंसकों के लिए वीजा नीति नहीं थी जिससे वे इस मैच में नहीं पहुंच पाये। पीसीबी ने 14 अक्टूबर को हुए भारत-पाक मैच के दौरान पाक टीम के साथ अहमदाबाद की भीड़ द्वारा किये व्यवहार की भी शिकायत दर्ज कराई है। भारत और पाक के इस तनाव भरे मैच के लिए निकलते समय पाक टीम के कप्तान बाबर आजम पर टिप्पणी की थी। वहीं बल्लेबाज मोहम्मद रिज़वान का विकेट गिरने पर प्रशंसकों ने हंसी उड़ायी। वहीं पाक के मैच हारने के बाद टीम निदेशक मिकी आर्थर ने कहा, कि ये आईसीसी का मैच था जबकि ऐसा लग रहा था कि ये भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का मैच हो।

डच कप्तान एडवर्ड्स बोले, हम केवल आनंद लेने नहीं जीतने आये हैं

धर्मशाला । नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने अपनी टीम को विश्वकप क्रिकेट के लीग मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली जीत पर खुशी जतायी है। इस मैच में डच टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 38 रनों से हराकर विश्वकप में दूसरा उलटफेर किया है। इससे पहले अफगानिस्तान ने इंग्लैंड को हराकर सबको हैरान कर दिया था। नीदरलैंड ने दक्षिण अफ्रीका पर मिली जीत के साथ ही पहली बार विश्व कप में किसी टेस्ट खेलने वाले देश पर जीत दर्ज की है। नीदरलैंड ने इससे पहले गत वर्ष टी20 विश्व कप में भी अफ्रीकी टीम हराया था। इस मैच में 78 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले एडवर्ड्स ने कहा कि उनकी टीम केवल भाग लेने नहीं बल्कि अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने आई है। उन्होंने कहा, टूर्नामेंट में प्रवेश हासिल करने के बाद से तय था कि हम इस टूर्नामेंट में क्या करना चाहते हैं। हम यहां केवल खेल का आनंद लेने नहीं आए हैं। हम यहां जीतने के साथ ही अपने को अगले चरण में पहुंचाने का प्रयास करेंगे।

शादाब की जगह किसी अन्य खिलाड़ी को शामिल करें : शोएब मलिक

20 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी पाक

लाहौर ।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शोएब मलिक ने कहा है कि विश्वकप में अब तक स्पिनर शादाब खान का प्रदर्शन खराब रहा है। इसलिए उन्हें टीम से बाहर कर देना चाहिये। पाक का अब 20 अक्टूबर को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया से खेलना है। मलिक ने कहा कि इस मैच में कप्तान बाबर आजम शादाब की जगह किसी अन्य खिलाड़ी को शामिल करें क्योंकि शादाद अब तक प्रभावी नहीं रहे हैं और उनके खिलाफ बल्लेबाजों ने काफी रन बनाये हैं। मलिक ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं कि शादाब एक बहुत अच्छा गेंदबाज है पर वह संघर्ष कर रहा है। साथ ही कहा कि शादाब से टीम उससे चार या छह नहीं बल्कि दस ओवर की उम्मीद करती है पर जिस प्रकार अब तक के मैचों में उन्होंने रन दिये हैं। उन्हें ये ओवर नहीं दिये जा सकते इसलिए मुझे लगता है कि उन्हें बदला जाना चाहिए। वहीं पूर्व तेज गेंदबाज वहाब रियाज का मानना है कि शादाब और दूसरे स्पिनर मोहम्मद नवाज को एक साथ लाइनअप में शामिल नहीं किया जाना चाहिए। रियाज ने कहा, शादाब और नवाज को एक साथ रखना फायदेमंद नहीं है। इन दोनो में से किसी एक के स्थान पर उसामा मीर को जगह देनी चाहिये थी। हम ऑलराउंडर खिलाड़ियों को अधिक रखने के पक्ष में रहते हैं पर अगर तेज गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं तो हमारे पास अन्य ऐसे गेंदबाज होने चाहिये जो हमारे लिए विकेट लें।

रोहित को करना होगा इन दो खिलाड़ियों पर फैसला

नई दिल्ली । आईसीसी एकदिवसीय विश्वकप में भारतीय टीम का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है और उसने अपनी तीनों मैच जीते हैं। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया , अफगानिस्तान और पाकिस्तान को हराया है। इससे टीम बेहद उत्साहित है पर उसके दो खिलाड़ियें का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। ये हैं स्पिनर आर अश्विन और शार्दुल ठाकुर। अब भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा को कल होने वाले अगले मुकाबले से पहले इन दोनो को लेकर कोई फैसला करना होगा। ये दोनो ही अतिरिक्त ऑलराउंडर के तौर पर शामिल किये गये हैं। पहले मैच में आर अश्विन को अवसर मिला था पर वह एक 1 विकेट ही निकाल पाए जबकि उन्हें बल्लेबाजी का अवसर नहीं मिला। वहीं दूसरे और तीसरे मुकाबले में शार्दुल ठाकुर को टीम में जगह मिली। गेंदबाजी में शार्दुल भी प्रभावित नहीं कर पाये। बल्लेबाजी का उन्हें अवसर नहीं मिला। अंतिम ग्यारह में कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान रोहित गेंदबाजी ऑलराउंडर को रखना चाहते थे , जो अवसर मिलने पर बल्लेबाजी भी कर सके। इसी वजह से कभी अश्विन तो कभी शार्दुल को अवसर मिला। वहीं अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को टीम में जगह नहीं मिल पार रही जबकि वह शार्दुल से बेहतर गेंदबाज हैं और कठिन हालातों में विकेट लेने में सक्षम हैं। 2019 विश्व कप में अफगानिस्तान के खिलाफ शमी ने हैट्रिक भी लगायी थी।

रबाडा ने एकदिवसीय में 150 विकेट पूरे किये

धर्मशाला । दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा ने नीदरलैंड के खिलाफ विश्वकप मुकाबले में दो विकेट लेने के साथ ही एकदिवसीय प्रारुप में अपने 150 विकेट पूरे किये। रबाडा ने यह उपलब्धि केवल 95 पारियों में ही हासिल कर ली जबकि स्टेन ने 96 पारियां में ये विकेट लिए थे। इसी के साथ ही उन्होंने अपने ही देश के तेज गेंदबाज डेल स्टेन का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। रबाडा ने नीदरलैंड्स के खिलाफ 56 रन देकर 2 विकेट लिए थे। अब तक दक्षिण अफ्रीकी टीम की ओर से तीन खिलाड़ियों ऐलन डोनाल्ड, मोर्ने मार्केल और इमरान ताहिर ने 89 पारियां में ही सबसे तेजी से अपने 150 विकेट पूरे हैं। एकदिवसीय प्रारुप में सबसे तेज 150 विकेट लेने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज मिचेल स्टार्क का है। स्टार्क ने 77 पारियों में ही यह रिकॉर्ड बनाया था। इसके बाद पाकिस्तान के सकलेन मुश्ताक ने 78 पारियों और फिर अफगानिस्तान के राशिद खान ने 80 पारियों में इतने विकेट लिए थे।

हिल स्टेशन पोनमुडी एशियाई माउंटेन बाइक कार्यक्रमों की मेजबानी के लिए तैयार

तिरुवनंतपुरम।

केरल की राजधानी शहर से 80 किलोमीटर दूर सुंदर हिल स्टेशन, पोनमुडी 26 से 29 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली 28वीं सीनियर और 14वीं जूनियर एशियन माउंटेन बाइक चैंपियनशिप के रोमांचक प्रदर्शन की मेजबानी करेगा। यह एशिया में माउंटेन बाइकिंग के प्रति उत्साही लोगों के सबसे बड़े कार्यक्रमों में से एक है और पूरे एशिया से कुल 20 टीमें इस बहुप्रतीक्षित चैंपियनशिप में गौरव हासिल करने का लक्ष्य रखेंगी, इसके अलावा 250 एथलीट और टीम अधिकारी और प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। संयोग से, एलीट वर्ग में शीर्ष राइडर को ओलंपिक पेरिस 2024 के लिए सीधे योग्यता मिलेगी।ओलंपिक पेरिस 2024 के लिए सीधी योग्यता के कारण, विश्व चैंपियन सहित एशिया के शीर्ष राइडर शीर्ष सम्मान के लिए लक्ष्य रखेंगे। केरल के खेल मंत्री वी. अब्दुरहिमान ने कहा कि यह आयोजन केरल के अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर विशेष भूमिका निभाएगा। अब्दुरहिमान ने कहा, हम प्रतिभागियों को सर्वोत्तम आतिथ्य और तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे यह चैंपियनशिप सर्वश्रेष्ठ आयोजित एशियाई एमटीबी चैंपियनशिप में से एक बन जाएगी।एशियाई साइक्लिंग परिसंघ के महासचिव ओंकार सिंह ने कहा कि यह आयोजन एक ओलंपिक क्वालीफायर है और इसमें प्रतिभागियों की रिकॉर्ड संख्या है और पूरे महाद्वीप से 20 टीमें शीर्ष सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीएफआई) के महासचिव मनिंदर पाल सिंह ने भारत में एक उभरती पर्यटक और खेल शक्ति के रूप में अपनी क्षमता दिखाने के लिए केरल राज्य में अपना विश्वास जताया है। सिंह ने कहा, सीएफआई पूरे एशिया से एमटीबी राइडर्स को सर्वोत्तम आतिथ्य और तकनीकी प्रतिबद्धता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और आश्वासन दिया है कि यह भारत में पहली एशियाई एमटीबी चैंपियनशिप है, जिसे सबसे अच्छी तरह से आयोजित एशियाई एमटीबी चैंपियनशिप में से एक के रूप में याद किया जाएगा।

शमी को इस कारण नहीं मिल पा रही टीम में जगह

सिराज को आराम देने की हालत में ही मिलेगा अवसर

नई दिल्ली । अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को इस बार विश्वकप में अब तक हुए तीन मुकाबलों में जगह नहीं मिल पायी है। माना जा रहा है कि इस बार टीम प्रबंधन अंतिम ग्यारह में शामिल सदस्यों की भूमिका को लेकर अधिक स्पष्ट है और यही कारण है कि शमी को जगह नहीं मिल पा रही है। शमी ने विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक मैच में पांच विकेट लिए थे। इसके बाद भी उन्हें टीम में जगह नहीं मिलना दिखाता है कि प्रबंधन टीम में शामिल खिलाड़ियों पर पूरा भरोसा जता रहा है। तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी जसप्रीत बुमराह के साथ मोहम्मद सिराज ने संभाली है जबकि ऑलराउंडर की हार्दिक पांड्या तीसरे तेज गेंदबाज की भूमिका ठीक से निभा रहे हैं। इसके अलावा एक अन्य गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने भी अब तक सपाट पिच पर चौथे तेज गेंदबाज की भूमिका से प्रबंधन को संतुष्ट किया है। वहीं अगर चेन्नई की तरह पिच स्पिनरों के लिए सहायक हो तो फिर कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा के साथ तीसरे स्पिनर के रूप में आर अश्विन को अंतिम एकादश में जगह मिल रही है। वहीं पिछले विश्वकप की अपेक्षा इस बार बल्लेबाजी में भी अधिक स्पष्टता नजर आ रही है। श्रेयस अय्यर चौथे नंबर पर उतर रहे हैं। इसी कारण आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को भी अंतिम एकादश में जगह नहीं मिल रही। कप्तान रोहित शर्मा की कुशल कप्तान में इस इस समय भारतीय टीम अजेय नजर आ रही है हालांकि टीम प्रबंधन को तय करना होगा कि क्या वह हार्दिक पंड्या को तीसरे तेज गेंदबाज की भूमिका दी जा सकती है या नहीं। चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष एमएसके प्रसाद ने कहा, 'उनकी रणनीति परिस्थितियों के अनुसार खेलने की है और अभी तक यह सफल रही है। शमी को तभी जगह मिलेगी जब वह सिराज को रोटेट करना चाहेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फूड

बच्चों के लिए बनाएं टेस्टी और हेल्दी रेसिपीज

हर मां के लिए सुबह-सुबह का समय किसी युद्ध के मैदान से कम नहीं होता है। क्योंकि सुबह के समय ना सिर्फ बच्चों को स्कूल के लिए तैयार करना होता है। बल्कि बच्चों का टिफिन तैयार करना भी एक बड़े टास्क की तरह होता है। क्योंकि बच्चे कई बार स्कूल से बिना टिफिन खाए वापस लेकर आ जाते हैं। ऐसे में मां अक्सर यह कोशिश करती हैं कि वह बच्चों के टिफिन में कुछ ऐसा बनाकर दें, जो ना सिर्फ बच्चों को पसंद आएं और वह उनके लिए हेल्दी भी हों। ऐसे में हम आपको इस आर्टिकल के जरिए कुछ ऐसे स्वादिष्ट रेसिपीज के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको आप कुछ मिनट में तैयार कर सकती हैं। इन रेसिपीज को बच्चे शौक से खाएंगे और यह हेल्दी भी है। अगर आप भी झटपट कोई रेसिपी बनाना चाहती हैं तो आप बच्चों के टिफिन में वेजिटेबल उपमा बनाकर दे सकती हैं। वेजिटेबल उपमा बनाने के लिए सबसे पहले सूजी को भून लें। फिर उसमें बच्चों की पसंद की सब्जियां जैसे टमाटर, मटर, आलू, प्याज और गाजर डालकर 2 मिनट के लिए पकाएं। अगर बच्चों के लिए इंस्टेंट टिफिन बनाकर तैयार करना चाहती हैं तो आप उनके लिए सिर्फ 5 मिनट में ढोकला बना सकती हैं। ढोकला बनाने के लिए बेसन में थोड़ा सा दही और पानी मिलाकर एक घोल तैयार कर लें। फिर इसमें एक ईनो मिक्स कर दें। अब इसे माइक्रो सेफ कंटेनर में डालकर 3 से 4 मिनट के लिए माइक्रोवेव कर तैयार कर लें। इसके बाद राई और करी पत्तों का छौंक लगाकर आप ढोकला सर्व कर सकती हैं। साथ ही इसे सॉस व चटनी के साथ बच्चों को लंच में भी दे सकती हैं। बच्चों को सैंडविच खाना बहुत ज्यादा पसंद होता है। ऐसे में आप भी बच्चों को टिफिन में हेल्दी वेज सैंडविच बना कर दे सकती हैं। इसे आप झटपट बनाकर तैयार कर सकती हैं। ब्रेड सैंडविच बनाने के लिए दो ब्राउन ब्रेड की स्लाइस लें। फिर आप इसमें बच्चों के पसंद की सब्जी खीरा, गाजर, टमाटर, पत्ता गोभी डालकर एक चीज स्लाइस रख दें। इस तरह से सैंडविच बनकर तैयार हो जाएगा और फिर इसे टिफिन में दे सकती हैं। अगर आप टिफिन में पराठे की जगह बच्चे को कुछ और देना चाहती हैं। तो वेजिटेबल चीला बच्चों को काफी पसंद आएगा। यह टेस्टी होने के साथ ही हेल्दी भी है। वेजिटेबल चीला बनाने के लिए टमाटर, हरी मिर्च, प्याज, हरा धनिया, अदरक और पानी डालकर इसका बैटर तैयार कर लें।

सनग्लासेस के ये डिजाइन करें ट्राई मिलेगा स्मार्ट और कूल लुक

स्लीवलेस ब्लाउज से अपने लुक को बनाएं स्टाइलिश, हर कोई करेगा आपकी तारीफ

जब बात एथनिक वियर की होती है तो अमूमन महिलाएं व लड़कियां इस बात पर ध्यान अधिक देती हैं कि वह किस तरह अपने ब्लाउज को स्टिच करवाएं। बता दें कि ब्लाउज का डिजाइन पूरे लुक को प्रभावित करता है। हालांकि ऐसे तो कई तरह से ब्लाउज को स्टिच करवाया जा सकता है। ऐसे में अगर आप भी किसी ऐसे स्टाइल की तलाश में हैं, जो आउट ऑफ ट्रेंड न हों तो आप स्लीवलेस ब्लाउज स्टिच करवा सकती हैं। आपको बता दें कि स्लीवलेस ब्लाउज कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता है। स्लीवलेस ब्लाउज की सबसे अच्छी खासियत यह होती है कि आप इसको अलग-अलग तरीके से स्टिच करवा सकती हैं। हर बार आप एन नया लुक कैरी कर सकती हैं। स्लीवलेस ब्लाउज में आप हॉल्टर नेकलाइन और डीपनेक आदि कई स्टाइल कैरी कर सकती हैं। ये स्टाइलिश ब्लाउज आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करेंगे। अगर आप ब्लाउज के जरिए एलीगेंट और रिफ्रेशिंग लुक पाना चाहती हैं। तो आप फ्लोरल स्लीवलेस ब्लाउज कैरी कर सकती हैं। इस ब्लाउज को ऑफिस से लेकर पार्टीज तक में कैरी किया जा सकता है। बता दें कि फ्लोरल स्लीवलेस ब्लाउज में आप केजुअल्स में प्रिंटेड फ्लोरल फैब्रिक स्टिच करवा सकते हैं। वहीं इसके अलावा आप पार्टी वियर में एंब्रायडिड फ्लोरल पैटर्न स्लीवलेस ब्लाउज का ऑप्शन भी चुन सकती हैं। इस ब्लाउज को आप लहंगे और साड़ी दोनों के साथ पहन सकती हैं। पिछले कुछ समय से हाई नेक लुक काफी पसंद किया जा रहा है। इस स्टाइल को अपने टॉप में ही नहीं, बल्कि ब्लाउज के तौर पर भी कैरी कर सकती हैं। हाईनेक स्लीवलेस ब्लाउज प्लेन लुक में भी यह स्टनिंग लगता है। ऐसे में अगर आप प्लेन साड़ी के साथ हाई नेक स्लीवलेस ब्लाउज स्टिच करवा रही हैं। तो कलर कॉन्ट्रास्टिंग के जरिए आप

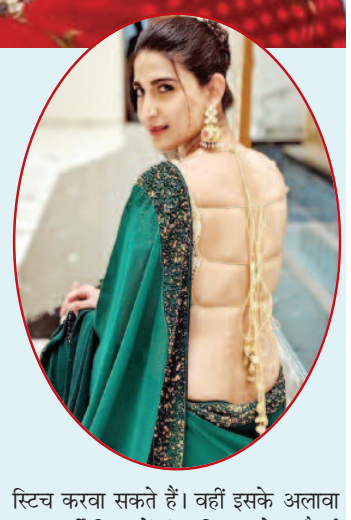

हेल्थ

माइग्रेन की समस्या होने पर हो जाएं अलर्ट

दिल संबंधी बीमारियों का बढ़ सकता है खतरा

माइग्रेन, सिरदर्द की समस्या होने पर व्यक्ति कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। बता दें कि माइग्रेन को साइकोसोमेटिक डिसऑर्डर के नाम से भी जाना जाता है। इसका मतलब होता है कि मानसिक स्वास्थ्य समस्या की वजह से शारीरिक लक्षण भी हो सकते हैं। माइग्रेन सामान्य सिरदर्द से काफी ज्यादा अलग होता है। माइग्रेन की समस्या होने पर व्यक्ति के एक तरफ का सिर बहुत तेज दर्द होता है, मिलती-उल्टी और प्रकाश आदि से अति संवेदनशीलता का अनुभव हो सकता है। हालांकि माइग्रेन एक कॉमन समस्या है, लेकिन अगर इसका समय से इलाज ना करवाया जाए, तो ये सामान्य सी समस्या गंभीर रोगों को बढ़ाने वाली भी हो सकती है। माइग्रेन के कारण व्यक्ति को अन्य तरह की स्वास्थ्य संबंधी जोखिम हो सकते हैं। ऐसे में अगर आप भी माइग्रेन से परेशान हैं, तो इसके जोखिमों को नजरअंदाज करने की गलती नहीं करनी चाहिए। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको माइग्रेन से होने वाली अन्य स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों के बारे में बताने जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, जिन लोगों को अक्सर माइग्रेन का अटैक होता है। उन लोगों में स्ट्रोल का हार्ट अटैक का खतरा ज्यादा होता है। युवा आबादी में माइग्रेन की समस्या काफी कॉमन है और इसे स्ट्रोक के बढ़ते जोखिम के रूप में देखा जा रहा है। एक शोध में पाया गया है कि जिन लोगों को माइग्रेन की समस्या ज्यादा है। उनमें हृदय रोगों का जोखिम भी काफी ज्यादा पाया गया है। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो माइग्रेन हृदय रोगों का जोखिम बढ़ाने वाली हो सकती है। माइग्रेन की समस्या होने पर यह रक्त वाहिकाओं को भी नुकसान पहुंचा सकता है। जिससे हृदय संबंधी रोगों का खतरा बढ़ जाता है। जिन लोगों को माइग्रेन की समस्या होती है, उन लोगों में दिल का दौरा पड़ने या हृदय गति से संबंधी रोग होने की आशंका अधिक होची है। माइग्रेन की समस्या से पीड़ित व्यक्ति को अन्य लोगों की तुलना में दिल का दौरा पड़ने का जोखिम ज्यादा होता है।

फिटनेस

ये 5 एक्सरसाइज, नहीं पड़ेगी जिम जाने की जरूरत

एक्सरसाइज करना शरीर के लिए कितना जरूरी है यह तो आप जानते ही हैं। अगर एक्सरसाइज में थोड़ी एडवांसमेंट एड करना चाहते हैं तो डंबल्स जैसे इक्विपमेंट्स का प्रयोग करना शुरू कर सकते हैं, जो आपके शरीर को और अधिक टोन करने में सहायक हैं। इससे एक्सरसाइज और अधिक मुश्किल हो सकती है। अगर आप खुद को चुनौती देना चाहते हैं तो भी यह एक्सरसाइज ट्राई कर सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसी 5 एक्सर साइज के बारे में जो डंबल से होती हैं और आपके शरीर को बना सकती हैं और अधिक टोन। शुरू में सीधे खड़े हो जाएं और आगे की ओर थोड़ा सा झुक जाएं। अब दोनों हाथों में एक एक डंबल पकड़ लें। अब अपनी ऊपरी बाजू को स्थिर रखें और नीचे से बाजू को आगे की ओर लेकर जाएं। अपने कंधों को इस दौरान न हिलाएं। इससे आप के निचले हाथों को और अधिक मजबूती मिलेगी और आप अधिक मजबूत चीजों को लिफ्ट कर पाने में भी सक्षम हो जायेंगे। अपने दोनों हाथों में एक एक डंबल पकड़ लें और हाथों को अपने सिर से ऊपर ले जाएं। वर्टिकल रूप से इन डंबल को पकड़ कर रखें। सीधे खड़े हों और पीछे की ओर कोहनी मोड़ लें ताकि आपके हाथ सिर के पीछे की ओर हो सके। अब अपने कंधों को न मोड़ें। इससे आप को ट्राइसेप मसल मजबूत बनने में मदद मिलेंगी।

गोबलेट स्क्वाट

इसके लिए आपको दो छोटे या एक बड़ा डंबेल की जरूरत होगी। सीधे खड़े हो जाएं और डंबेल को अपनी छाती तक ला कर होल्ड करें। अब इसी अवस्था में स्क्वाट करना शुरू कर दें। अपनी कमर को सीधा रखें और अपने घुटनों को मोड़ कर पूरी तरह बैठने की कोशिश करें। खड़े होते समय अपनी एड़ियों पर प्रेशर डालने की कोशिश करें। यह एक्सरसाइज जांघों को टोन करने में मदद करती है। यह ऊपरी बाहों के लिए भी लाभदायक है क्योंकि यह आर्म्स पर भी प्रेशर डालती है।

लंज

अगर आप कोर मसल्स मजबूत बनाना चाहते हैं तो यह एक्सरसाइज आपके लिए बेस्ट है। अगर आप और अधिक अच्छे नतीजे प्राप्त करना चाहते हैं तो यह एक्सरसाइज करने के साथ साथ आप हाथों में डंबल भी उठा सकते हैं। सीधे खड़े हो जाएं और साइड में डंबल पकड़ कर रखें।

अब अपने आगे अपना दायां पैर रखें और घुटनों से ही दोनों टांगों को मोड़ना शुरू करें। अब बाएं पैर को आगे लाएं और दाएं पैर को पीछे ले जाएं। इस एक्सरसाइज को रोजाना 20 बार जरूर रिपीट करें। इसे करने से आपको कोर, जांघों और हिप्स में प्रेशर महसूस होगा।

ब्यूटी

दुर्गा पूजा में दिखना है खूबसूरत तो

मेकअप करते वक्त रखें इन बातों का ध्यान

आज से मां दुर्गा की आराधना के खास नौ दिनों की शुरूआत हो गई है। आज यानी कि 15 अक्तूबर से शारदीय नवरात्रि का आरंभ हो गया है, जिसकी धूम जगह-जगह दिखाई दे रही है। थोड़ी-थोड़ी दूर पर मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापना की गई हैं, जहां लोग पूरे नौ दिनों तक माता रानी की पूजा करेंगे। हर शाम माता रानी के पंडाल में कई तरह के कार्यक्रमों का आयोजन होता है, जिसमें गरबा और डांडिया शामिल है। इन कार्यक्रमों में महिलाएं खूब सज-संवर कर जाती हैं। अगर आप भी चाहती हैं कि दुर्गा पूजा में आप सबसे खूबसूरत दिखें तो ये लेख आपके लिए है। दरअसल, आज के लेख में हम आपको दुर्गा पूजा में मेकअप करने के कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप अपना जलवा दिखा सकती हैं। इन टिप्स को फॉलो करने के लिए आपको कुछ करने की जरूरत नहीं हैं।

सबसे पहले लगाएं बेस

दुर्गा पूजा में मेकअप करते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि ये ज्यादा डार्क ना हो। ऐसे में सबसे प्राइमर लगाकर स्किन को मॉइश्चराइज करें। इसके बाद अपनी स्किन टोन के हिसाब से ही बेस लगाएं। ध्यान रखें कि ये ज्यादा डार्क ना हो, ना ही ज्यादा लाइट हो।

अब करें आंखों का मेकअप

अगर आप दुर्गा पूजा में बंगाली लुक कैरी करना चाहती हैं तो लैश लाइन और वॉटरलाइन पर आईलाइनर पेंसिल लगाएं और फिर इसे स्मोकी बनाने के लिए ब्रश का इस्तेमाल करें। इस तरह का लुक देखने में बेहद प्यारा लगता है।

अब लगाएं ब्लश और हाइलाइटर

अगर आप चाहती हैं कि दुर्गा पूजा के दौरान आपकी त्वचा चमकदार रहे तो गालों पर हाइलाइटर जरूर लगाएं। इसके पहले ब्लश जरूर लगाएं। ताकि आपके चेहरे पर लालिमा बरकरार रहे।

आईब्रो करें सेट

अपने लुक को पूरा करने के लिए आईब्रो को जरूर सेट करें। अगर आपकी आईब्रो सेट नहीं होंगी तो लुक देखने में अजीब लगेगा।

लिपस्टिक का रखें ध्यान

लड़कियों के लिए उनके मेकअप का सबसे अहम पार्ट लिपस्टिक ही होता है। ऐसे में पूरा मेकअप करने के बाद अपनी पसंद के हिसाब से लिपस्टिक लगाएं। ये आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाएगी।

रखें इस बात का ध्यान

दुर्गा पूजा के लिए मेकअप करते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि ये ज्यादा हैवी ना हो। अगर आप ज्यादा हैवी मेकअप करके जाएंगी तो ये अजीब लग सकता है।

दक्षिण भारत के 'कश्मीर' में होने वाली बर्फबारी का उठाएं लुत्फ, जिंदगी भर याद रहेगा एक्सपीरियंस

जब भी साउथ-इंडिया में घूमने का जिक्र किया जाता है, तो लोग सबसे पहले केरल, कर्नाटक या फिर तमिलनाडु का नाम लेते हैं। बता दें कि दक्षिण भारत में मौजूद आंध्र प्रदेश एक ऐसा राज्य है, जहां पर घूमने के लिए एक से एक बेहतरीन जगहें मौजूद हैं। सभी सैलानियों के लिए आंध्र प्रदेश की खूबसूरती और यहां मौजूद कुछ बेहतरीन हिल स्टेशन बेहद ही खास है। लेकिन अगर आप भी इस बार दक्षिण भारत घूमने का प्लान बना रहे हैं और बर्फबारी देखना चाहते हैं। तो आज हम आपको आंध्र प्रदेश में घूमने वाली कुछ बेहतरीन और अद्भुद जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। बता दें कि आंध्र प्रदेश में लांबासिंगी/लम्बसिंगी उन चुनिंदा हिल स्टेशन में से एक है। जहां पर अधिक संख्या में सैलानी घूमने के लिए पहुंचते हैं। बता दें कि इस हिल स्टेशन को आंध्र प्रदेश का 'कश्मीर' भी कहा जाता है। विचित्र घाटियों और ठंडे तापमान के साथ, दक्षिणी क्षेत्र में लम्बासिंगी एकमात्र जगह है जहां बर्फबारी होती है। यह छोटा सा गांव सुन्दर सफेद धुंद से ढका हुआ होता है। ऐसे में अगर आप भी आंध्र प्रदेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको सबसे पहले इस जगह पर आना चाहिए। इसके अलावा आप यहां पर घाट रोड़, कोंडाकरला पक्षी अभ्यारण्य, थाजंगी जलाशय और अन्नावाराम मंदिर जैसी बेहतरीन जगहों पर घूमने के लिए जा सकते हैं। इसके अलावा आप प्रदेश में नल्लमला हिल्स स्टेशन को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। पूरे दक्षिण-भारत में यह स्थान सुगम्य वातावरण और मनमोहक दृश्यों के लिए फेमस है। जनवरी से लेकर मार्च के शुरूआती दिनों में नल्लमला हिल्स स्टेशन का मौसम एकदम सुहावना होता है। इसलिए यहां पर भारी संख्या में सैलानी घूमने के लिए पहुंचते हैं। इसके अलावा आप यहां पर जंगल सफारी और ट्रैकिंग का लुत्फ भी उठा सकते हैं। अद्भुद और बेहतरीन वैली सिर्फ हिमाचल व उत्तराखंड में ही नहीं, बल्कि आंध्र प्रदेश में भी मौजूद है। विशाखापत्तनम जिले में स्थित अरकू वैली अपने अद्भुत दृश्य और शांत वातावरण के लिए भी जाना जाता है। इस हसीन वैली में घूमने के बाद आप अन्य वैली को भूल जाएंगे। अरकू वैली में मौजूद ट्राइबल म्यूजियम, बॉटनिकल गार्डन, भीमुनिपटनम और बोर्रा गुफा जैसी बेहतरीन जगहों को दोस्तों के साथ एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसके साथ ही आप यहां पर एडवेंचर एक्टिविटीज का भी मजा उठा सकते हैं। इसके अलावा आंध्र प्रदेश में स्थिति पापीकोंडालू बेहद खूबसूरत होने के साथ बेहतरीन पर्वत श्रृंखला भी है। आंध्र प्रदेश के साथ-साथ पूरे दक्षिण-भारत में यह स्थान नयनसुख के नाम से जाना जाता है। गोदावरी नदी के किनारे स्थित होने के वजह से यह जगह भारत के सैलानियों के लिए बेहद ही खास हिल स्टेशन है। पापीकोंडालू की हसीन वादियों में मौजूद पत्तिसीमा नदी द्वीप, पापिकोंडा नेशनल पार्क और किन्नरसानी वन्यजीव अभयारण्य जैसी बेहतरीन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। यहां पर आप बोटिंग का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

इजरायल में बढी यहूदियों की जनसंख्या

जेरुसलेम। हाल के सालों में इजरायल में यहूदियों की जनसंख्या बढ़ी है, लेकिन इसकी रफ्तार बहुत धीमी है। साल 2021 के मुकाबले 2022 में इजरायल में यहूदियों की संख्या महज 1 प्रतिशत बढ़ी थी। चौतरफा दुश्मनों से घिरा इजरायल यहूदी आबादी बढ़ाने के लिए तमाम प्रयास कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल सरकार, यहूदियों की नई पीढ़ी को बच्चे पैदा करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए तमाम स्कीम भी चला रही है। मसलन- अगर आप आईवीएफ के जरिए बच्चा चाहते हैं, पहले दो बच्चों का आईवीएफ पूरी तरह निशुल्क है। आपको कोई पैसा नहीं देना होगा और सारा खर्च सरकार उठाएगी। इजरायल, तमाम देशों के मुकाबले प्रति व्यक्ति आईवीएफ में भी बहुत आगे है। इजरायल में हर महिला की औसत तीन संतानें हैं। बच्चों को शुरू से कड़ी ट्रेनिंग दी जाती है और अपने पैरों पर खड़ा होना सिखाया जाता है। यही कारण है कि तमाम पश्चिमी और यूरोपीय देशों के मुकाबले इजरायली बच्चों का इम्यून सिस्टम मजबूत होता। एलर्जी व दूसरी बीमारियों से लड़ने की क्षमता भी कहीं अधिक होती है। इजरायल की सड़कों पर 4-5 साल के बच्चे अकेले घूमते या स्कूल जाते मिल जाते हैं। दुनिया भर में करीबन 15.7 मिलियन (1.57 करोड़) यहूदी हैं। इनमें से करीब 72 लाख यहूदी (कुल यहूदी जनसंख्या के करीब 46 फीसदी) अकेले इजरायल में ही रहते हैं। अमेरिका दूसरा ऐसा देश है, जहां इजरायल के बाद सर्वाधिक 60 लाख के आसपास यहूदी जनसंख्या है। इसके बाद फ्रांस, कनाडा और ब्रिटेन का नंबर आता है। इजरायल की कुल आबादी पर नजर डालें तो यह करीब 9,795,000 के आसपास है। इजरायल के सेंट्रल ब्यूरो स्टेटिक्स के मुताबिक इनमें से 73 फीसदी यहूदी हैं। जबकि 21 फीसदी अरब और 6 फीसदी ईसाई और अन्य हैं। हाल के सालों में इजरायल में रहने वाली अरब जनसंख्या या मुसलमानों की तादाद तेजी से बढ़ी है। इजरायल इस बात को लेकर चिंतित है। बता दें कि इजरायल कई मामलों में अनूठा है। इजरायली नागरिकों, खासकर यहूदियों ने अपनी जिजीविषा के बूते पूरी दुनिया में अलग पहचान बनाई है। चाहे टेक्नोलॉजी की बात हो या लाइफस्टाइल की, हर मोर्चे पर आगे हैं।

पाकिस्तान का नया दांव- चीन के साथ कर रहा युद्ध अभ्यास

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में दूसरे देशों की सेनाएं युद्ध अभ्यास कर रही हैं। जिसमें दुनिया के 14 देश शामिल हुए है।रविवार से शुरू हुए इस हवाई अभ्यास में अजरबैजान, बहरीन, चीन, मिस्र, जर्मनी, हंगरी, इंडोनेशिया, ईरान, इटली, कुवैत, मोरक्को, ओमान, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब, तुर्किये, संयुक्त अरब अमीरात और उज्बेकिस्तान हिस्सा ले रहे हैं। माना जा रहा है कि पाकिस्तान इस युद्धाभ्यास से दुनिया को अपनी ताकत का एहसास कराना चाहता है। पाकिस्तान वायु सेना ने रविवार को अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट (जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) पर बताया कि पाकिस्तान वायु सेना का 14 राष्ट्रों का हवाई युद्ध अभ्यास 'इंडस शील्ड 2023' वायु सेना के डीजीपीआर एयर बेस पर पूरे जोरों-शोरों से चल रहा है। पाकिस्तान में 14 देशों का जुटान हुआ है और वह भी एक बड़े युद्धाभ्यास के लिए। दरअसल, पीएएफ यानी पाकिस्तान की वायु सेना द्वारा अपने एक परिचालन अड्डे पर आयोजित एक युद्ध अभ्यास में चीन और सऊदी अरब सहित 14 राष्ट्रों की वायु सेना इकाइयां हिस्सा ले रही हैं। खबरों के मुताबिक इस युद्ध अभ्यास के जरिए पीएएफ का मकसद अपनी क्षमता का प्रदर्शन करना और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाना है। पाकिस्तानी समा टीवी की खबर के मुताबिक, 'यह अभ्यास पाकिस्तान के वृहद हवाई युद्ध अभ्यासों में से एक है और इसे अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने के साथ-साथ अपनी हवाई क्षमताओं को बढ़ाने के लिए पीएएफ की प्रतिबद्धता को साकार करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जाता है.'

मुझे, मेरे परिवार को जान से मारने की धमकी मिली : न्यूजर्सी के सिख महापौर ने कहा

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राज्य न्यू जर्सी के होबोकेन शहर के भारतीय मूल के सिख महापौर ने कहा है कि उनको ऐसे कई पत्र मिले जिनमें उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई थी। सीबीएस न्यूज ने मंगलवार को कहा कि पिछले साल रवि भल्ला को जो पत्र मिले थे, पहले उनमें उनसे इस्तीफा देने के लिए कहा गया, लेकिन फिर सिख धर्म को लेकर उन्हें निशाना बनाते हुए उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी जाने लगी। भल्ला ने सीबीएस न्यूज के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि वह और उनका परिवार मजबूती से खड़े हैं तथा उनके शहर में नफरत की कोई जगह नहीं है। वह पहली बार 2017 में होबोकन के महापौर पद के लिए चुने गए थे। उन्होंने कहा- 'मुझे सिख पृष्ठभूमि के एक अमेरिकी के रूप में इस शहर का नेतृत्व करने पर बहुत गर्व है।' भल्ला 2021 में फिर से निर्विरोध निर्वाचित हुए।

जिनपिंग ने बेल्ट ऐंड रोड फोरम की बैठक में कहा-टकराव की कोई बात नहीं

बीजिंग। चीन की राजधानी बीजिंग में बेल्ट ऐंड रोड फोरम की बैठक में 130 देशों के प्रतिनिधियों के बीच विचार-विमर्श जारी है। बैठक में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी मौजूद हैं। फोरम चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा है कि ब्लाक टकराव की फैलाई गई बात मनगढ़ंत है। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस मौके पर जिनपिंग ने अपने संबोधन में आर्थिक जबरदस्ती और ब्लॉक टकराव की बात को सिरे से खारिज कर दिया। जिनपिंग ने बुधवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत की है। जिनपिंग ने इस दौरान चीन और रूस के बीच गहरे होते विश्वास की सराहना की। रिपोर्ट्स के अनुसार इस फोरम को शी जिनपिंग की विदेश नीति का केंद्र बिंदु माना जाता है।

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस कंगाली की कगार पर, ईंधन खत्म, 24 उड़ानें रद्द

रावलपिंडी। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) कंगाली की कगार पर है। हाल यह है कि ईंधन के लिए भी उसके पास पैसे नहीं हैं। वह बकाया राशि का भुगतान भी नहीं कर पा रही है। पिछले 24 घंटे से वह उड़ानों का ठीक से संचालन नहीं कर पा रही। घाटे में चल रही पीआईए को बुधवार को 16 अंतरराष्ट्रीय और आठ घरेलू उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं। कुछ उड़ानों में देरी होने की आशंका भी बढ़ गई है। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पीआईए को मंगलवार को भी 11 अंतरराष्ट्रीय और 13 घरेलू उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। रिपोर्ट्स में पीआईए के प्रवक्ता के हवाले से कहा गया है कि दैनिक आधार पर और परिचालन कारणों से पीआईए विमानों के लिए सीमित ईंधन आपूर्ति के कारण उड़ानें रद्द कर दी गईं। कुछ उड़ानों के प्रस्थान को पुनर्निर्धारित किया गया है। घरेलू उड़ानों के अलावा रद्द की गई कुछ उड़ानें दुबई, मस्कट, शारजाह, अबू धाबी और कुवैत के लिए उड़ान भरने वाली थीं। पीआईए ने दावा किया कि रद्द की गई उड़ानों के यात्रियों को वैकल्पिक उड़ानों में समायोजित किया गया।

कनाडा में हिंदूफोबिया के खिलाफ शुरू अभियान को मिला जबरदस्त समर्थन

ओटावा। कनाडा में हिंदूफोबिया के खिलाफ शुरू की गई याचिका को जबर्दस्त समर्थन मिला है। इसके पक्ष में 25 हजार लोगों ने हस्ताक्षर किया है, जबकि कनाडा सरकार के पास भेजने के लिए मात्र 500 लोगों के हस्ताक्षर की ही जरूरत थी। यह याचिका 19 जुलाई को लांच हुई और मंगलवार को इसका आखिरी दिन था। इस सिविल एंड ह्यूमन राइट्स कैटेगरी में रखा गया था। इस याचिका को सांसद मेलिसा लैंट्समैन लेकर आई थीं, जो कि हाउस ऑफ कॉमंस में विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी की उपनेता हैं। इस याचिका की शुरुआत एक भारतीय-कनाडाई संस्थान, कनाडियन ऑर्गेनाइजेशन फॉर हिंदू हेरिटेज एजुकेशन द्वारा की गई थी। याचिका को मिले प्रतिसाद पर खुशी जताकर संस्थान के निदेशकों में से एक विजय जैन ने कहा कि यह अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय की पहली याचिका है। इसके पक्ष में 25000 से अधिक लोगों के सिग्नेचर, जो कुल आबादी का 2.5 प्रतिशत से अधिक है, यह दर्शाता है कि यह बड़ी चिंता का विषय है। हम समुदाय से इस तरह की शानदार भागीदारी देखकर बहुत खुश हैं। यह अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के मानवाधिकारों का मामला है। जैन ने कहा कि इस साल की शुरुआत में ब्रैम्पटन में नगर परिषद ने सर्वसम्मति से हिंदूफोबिया को मान्यता देने वाला एक ऐसा ही प्रस्ताव पारित किया था। उन्होंने कहा कि हमें पूरी उम्मीद है कि यह संघीय संसद में भी पारित हो जाएगा। याचिका में सदन से मांग की गई है कि हिंदूफोबिया को मानवाधिकार संहिता की शब्दावली में एक शब्द के रूप में मान्यता दी जाए।

चीन के तियानगोंग को टक्कर, क्या है स्पेस स्टेशन, जिसे बनाने का टारगेट मोदी ने इसरो को दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंद्रयान-3 चंद्रमा मिशन की सफलता के बाद भारत ने अपने लिए एक बड़ा नया लक्ष्य निर्धारित किया है। 2035 तक एक अंतरिक्ष स्टेशन बनाना भारत का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के बारे में बताया। मोदी ने गगनयान मिशन पर इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ की ब्रीफिंग के दौरान अपने निर्देश दिए। ऐसे में आइए जानते हैं कि अंतरिक्ष स्टेशन क्या है? किस देश के पास अपना स्टेशन है।

अंतरिक्ष स्टेशन क्या है- ब्रिटानिका के अनुसार, अंतरिक्ष स्टेशन एक कृत्रिम संरचना है जिसे कक्षा में भेजा जाता है और जो वहीं रहता है। एक अंतरिक्ष स्टेशन में मानव जीवन को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक उपकरण होते हैं। इसमें दबावयुक्त घेरा, बिजली और पर्यावरण प्रणालियाँ शामिल हैं। अंतरिक्ष स्टेशन पर कई गतिविधियाँ संचालित की जा सकती हैं जिनमें अंतरिक्ष में वस्तुओं, सूर्य और चंद्रमा जैसे ग्रहों का अवलोकन करना, पृथ्वी का अध्ययन करना और मानव शरीर पर अंतरिक्ष के दीर्घकालिक प्रभावों की जांच करना शामिल है। छोटे अंतरिक्ष स्टेशनों को आमतौर पर एक टुकड़े में इकट्ठा किया जाता है और फिर कक्षा में लॉन्च किया जाता है। हालाँकि, बड़े अंतरिक्ष स्टेशनों को आमतौर पर टुकड़ों में भेजा जाता है और फिर कक्षा में इकट्ठा किया जाता है। अंतरिक्ष स्टेशन आमतौर पर सौर पैनलों और बैटरी के संयोजन पर चलते हैं।

अंतरिक्ष स्टेशनों के महत्व पर नासा का क्या कहना है?- अंतरिक्ष स्टेशन ने लोगों के लिए अंतरिक्ष में निरंतर उपस्थिति को संभव बना दिया है। पहले दल के आने के बाद से मनुष्य हर दिन अंतरिक्ष में रह रहा है। इसमें कहा गया है कि एक अंतरिक्ष स्टेशन चालक दल को ऐसे अनुसंधान करने की अनुमति देता है जिससे मानव जाति को लाभ होता है जिसे पृथ्वी पर कहीं भी आयोजित नहीं किया जा सकता है। ऐसे शोध के परिणामों को स्पिनऑफ़ का लेबल दिया जाता है। वैज्ञानिक यह भी अध्ययन कर रहे हैं कि जब लोग लंबे समय तक माइक्रोग्रैविटी में रहते हैं तो शरीर में क्या होता है। नासा की वेबसाइट बताती है कि नासा और उसके साझेदारों ने सीख लिया है कि अंतरिक्ष यान को अच्छी तरह से कैसे काम में रखा जाए। ये सभी पाठ भविष्य के अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए महत्वपूर्ण होंगे।

किन देशों के पास अंतरिक्ष स्टेशन है?- चीन अब तक एकमात्र ऐसा देश है जिसके पास अंतरिक्ष स्टेशन है। बीजिंग का स्व-निर्मित तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन - जिसे सेलेस्टियल पैलेस या हेवेनली पैलेस के रूप में जाना जाता है। 2022 के अंत से पूरी तरह से चालू हो गया है। यह वर्तमान में तीन अंतरिक्ष यात्रियों दो पुरुष और एक महिला की मेजबानी करता है और 450 किलोमीटर तक की कक्षीय ऊंचाई पर स्थित है। मेंगटियन या सेलेस्टियल ड्रीम तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन के लिए दूसरे प्रयोगशाला मॉड्यूल के रूप में वेंटियन या क्रेस्ट फॉर द हेवन्स में शामिल हो गया। दोनों तियान्हे कोर मॉड्यूल से जुड़े हैं जहां इसका चालक दल रहता है और काम करता है। कुल मिलाकर, स्टेशन में लगभग 110 क्यूबिक मीटर (3,880 क्यूबिक फीट) दबावयुक्त आंतरिक स्थान होगा, जिसमें मेंगटियन द्वारा जोड़ा गया 32 क्यूबिक मीटर (1,130 क्यूबिक फीट) भी शामिल है। चीन 2023 में जुंटियन अंतरिक्ष दूरबीन लॉन्च करने की योजना बना रहा है, जो तियांगोंग का हिस्सा नहीं है, लेकिन स्टेशन के साथ क्रम में परिक्रमा करेगा और रखरखाव के लिए कभी-कभी इसके साथ डॉक कर सकता है। अंतरिक्ष स्टेशन में भविष्य में किसी अन्य बदलाव की सार्वजनिक रूप से घोषणा नहीं की गई है।

2025 में भारत की पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान- बैठक के बाद पीएमओ के एक बयान में कहा गया कि भारत की पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान अब 2025 में उड़ान भरने की उम्मीद है। बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री ने भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण प्रयासों के भविष्य की रूपरेखा तैयार की और वैज्ञानिकों से वीनस ऑर्बिटर मिशन और मार्स लैंडर सहित अंतरग्रहीय मिशनों की दिशा में काम करने और चंद्रमा का अधिक विस्तार से पता लगाने का आग्रह किया।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने इजराइल-गाजा संघर्ष को लेकर कई नेताओं से फोन पर बातचीत की

लंदन। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने पश्चिम एशिया में व्यापक संघर्ष को खत्म करने के प्रयास के तहत मंगलवार को विश्व के कई नेताओं के साथ बातचीत की और ब्रिटेन की कैबिनेट ने इजराइल-गाजा मुद्दे पर चर्चा की। यहां तक मीडिया में आई अपुष्ट खबरों में दावा किया गया है कि भारतीय मूल के नेता इस सप्ताह के आखिर में क्षेत्र का दौरा करने की योजना बना रहे हैं। प्रधानमंत्री और सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान के बीच फोन पर हुई बातचीत में सुनक ने संकट के शांतिपूर्ण समाधान के पहलू पर चर्चा की। इसके बाद उनकी कतर के आमिर शेख तमिम बिन हमद अल-थानी से फोन पर बात हुई जिसमें ब्रिटेन एवं कतर के बीच सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा हुई। इस दौरान गाजा को मानवीय सहायता में मदद के लिए लोगों को सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराने और बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए तत्काल प्रयासों पर भी चर्चा की गई। सुनक ने ट्वीट किया, 'मैंने इजराइल और गाजा में हालात पर इससे पहले युवराज मोहम्मद बिन सलमान से बात की थी। हम दोनों ने पश्चिम एशिया में पूर्व में हुए व्यापक संघर्ष के विनाशकारी परिणामों को भी स्वीकार किया।' उन्होंने कहा, 'हम ईरान के छद्म युद्ध से भड़की अस्थिरता सहित तनाव बरकरार रहने पर करीब से कार्य करेंगे।' ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय और उनके आधिकारिक निवास '10 डाउनिंग स्ट्रीट' ने कहा कि सुनक ने सऊदी अरब के नेता को इस बात की पुष्टि की कि सऊदी अरब, जॉर्डन और मिस्र समेत क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ ब्रिटेन गाजा में फलस्तीनियों के लिए मानवीय सहायता उपलब्ध कराएगा और फलस्तीनी लोगों की राज्य के दर्जे की वैध आकांक्षाओं का समर्थन करना जारी रखेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन पहुंचे तेल अवीव, गाजा पट्टी के निकट बजे खतरे के सायरन

तेल अवीव (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन युद्ध क्षेत्र की असाधारण यात्रा पर आज इजराइल की राजधानी तेल अवीव पहुंच गए। तेल अवीव के हवाई अड्डे पर बाइडन के उतरने के कुछ ही मिनट बाद गाजा पट्टी के निकट किबुतज किसुफिम में खतरे के सायरन बजने लगे। इसके बाद बाइडन का सुरक्षा घेरा बढ़ा दिया गया।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हमास और इजराइल के बीच जारी युद्ध में अब तक 4300 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। गाजा के अल-अहली अरब अस्पताल पर मंगलवार रात हुए हमले से मध्य पूर्व में तनाव बढ़ गया है। बाइडन का यह दौरा इजराइल के प्रति उनके समर्थन और एकजुटता को दर्शाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिलिस्तीनियों को आश्रय देने वाली गाजा पट्टी के इस अस्पताल में हुए विनाशकारी विस्फोट के बाद गाजा को मानवीय सहायता सुनिश्चित करने, संघर्ष को और बढ़ने से रोकने और अमेरिकी रक्षा के लिए राजनयिक प्रयास पटरी से उतर गए हैं। जॉर्डन के अम्मान में अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन के साथ अरब नेताओं के शिखर सम्मेलन को भी रद्द कर दिया गया है। राष्ट्रपति बाइडन

के तेल अवीव पहुंचने पर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने उनकी अगवानी की। दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से मुलाकात कर राष्ट्रपति बाइडन को गले लगाया। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति का काफिला रवाना हुआ।

रिपोर्ट्स के अनुसार यह महत्वपूर्ण है कि राष्ट्रपति बाइडन की इजराइल की यात्रा के मद्देनजर जमीन तैयार करने के लिए अमेरिका के विदेशमंत्री एंटनी ब्लिंकन मध्य पूर्व की यात्रा कर चुके हैं। ब्लिंकन ने सोमवार को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी मुलाकात की थी।

न्यूयॉर्क सिटी के मेयर एडम्स ने किया दुनिया में अंधकार को दूर कर रोशनी फैलाने का आह्वान

न्यूयॉर्क (अमेरिका) (एजेंसी)। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर एरिक एडम्स ने कहा है कि दिवाली हम सभी को अंधकार को चीरकर प्रकाश की ओर बढ़ने की याद दिलाती है। उन्होंने लोगों से भगवान राम, देवी सीता और महात्मा गांधी के विचारों को आत्मसात करने तथा बेहतर मानव बनने का आह्वान किया।

अपने न्यूयॉर्क आवास 'ग्रेसिया मैंशन' पर आयोजित वार्षिक दिवाली समारोह में एडम्स ने लोगों से दुनिया में अंधकार को दूर कर रोशनी फैलाने का आह्वान किया। एडम्स ने कहा, 'दिवाली सिर्फ एक छुट्टी नहीं है। यह हम सभी को याद दिलाती है कि हमें दुनिया से अंधकार को मिटाना होगा और प्रकाश फैलाना होगा। 'रोशनी का त्योहार' इसी बारे में है।'

इस वार्षिक समारोह में सैकड़ों भारतवंशी अमेरिकी और दक्षिण एशियाई समुदाय के नागरिक तथा अन्य देशों से आए प्रवासियों का समुदाय एवं सरकारी अधिकारी शामिल हुए। एडम्स ने कहा कि दिवाली मोमबत्ती या दिए जलाने से कहीं अधिक 'हमारे जीवन को प्रकाशमान' करने के बारे में है।

उन्होंने कहा, 'दुनिया में बहुत अधिक अंधकार है जो हम हर दिन देखते हैं। इसलिए अगर हम वास्तव में रामायण के जीवन, सीता के जीवन, गांधी के जीवन में विश्वास करते हैं तो हमें निश्चित रूप से गांधी के नक्शे कदम पर चलना होगा।'

एडम्स ने कहा कि ऐसे वक्त में जब दुनियाभर में अंधकार छाया हुआ है और दुनिया बेकसूर लोगों की मौत का गवाह बन रही है, ऐसे में 'हम इसे (अंधकार को) हमारे भविष्य को और मानवता को निगलते' हुए नहीं देख सकते।

इजराइल से नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए नेपाल ने जताया भारत का आभार

काठमांडू, (एजेंसी)। भारत सरकार की तरफ से चलाए जा रहे ऑपरेशन अजय के तहत भारतीयों के साथ-साथ नेपाल के नागरिकों को भी युद्धग्रस्त क्षेत्र से सुरक्षित वापस लाने पर नेपाल सरकार ने भारत के प्रति आभार व्यक्त किया है।

नेपाल के विदेश मंत्री एनपी साउद ने भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर को संबोधित करते हुए ऑपरेशन अजय के तहत नेपाली नागरिकों की सुरक्षित वापसी पर आभार व्यक्त किया है। सोशल मीडिया एक्स पर भारतीय विदेश मंत्री के उस पोस्ट पर नेपाल के विदेश मंत्री ने धन्यवाद दिया है, जिसमें उन्होंने नेपाली नागरिकों को इजरायल से दिल्ली लाने की जानकारी दी थी। नेपाल के विदेश मंत्री ने एक्स पर लिखा कि इस संकट की बेला में नेपाली नागरिकों की सुरक्षित वापसी पर सम्पूर्ण नेपाली जनता और नेपाल सरकार आभार व्यक्त करती है।

इससे पहले भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने ऑपरेशन अजय के तहत इजराइल से भारतीय नागरिकों के साथ 18 नेपाली नागरिकों को भी दिल्ली सुरक्षित लाए जाने की जानकारी दी थी। दिल्ली स्थित नेपाल के राजदूत डॉ. शंकर शर्मा ने भी नेपाल सरकार की तरफ से भारत के विदेश मंत्रालय का आभार व्यक्त करते हुए वापस लाए गए नेपाली नागरिकों को दिल्ली से नेपाल तक पहुंचाने की व्यवस्था किए जाने की जानकारी दी है।

गाजा अस्पताल पर हमास का राकेट गिरा, ना कि इज़रायल का : इज़रायली राजदूत

-गाजा में अस्पताल पर हुआ हमला, हमास व इजरायली एक-दूसरे पर मढ़ रहे आरोप

यरूशलम/नई दिल्ली (एजेंसी)। इज़रायल ने फिलिस्तीनी क्षेत्र में गाज़ा के एक अस्पताल में कल रात एक रॉकेट गिरने की घटना पर आज वीडियो प्रमाण देने के साथ स्पष्टीकरण दिया कि उक्त रॉकेट हमास आतंकवादियों द्वारा दागा गया था जो निशाना चूक कर अपने ही क्षेत्र में जा गिरा था और फिलिस्तीनी पक्ष इस हमले को लेकर मनगढ़ंत एवं बेबुनियाद आरोप लगा रहा है।

भारत में इज़रायल के राजदूत राजदूत नाओर गिलोन ने आज यहां गाज़ा अस्पताल पर हमले को लेकर हमास के प्रचार का जवाब देने के लिए एक बयान जारी किया और इस बारे में तकनीकी विवरण और वीडियो फुटेज भी साझा किये। गिलोन ने कहा कि गाज़ा स्थित अल अहली अस्पताल दरअसल फ़िलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद के एक रॉकेट का शिकार हुआ है। उन्होंने कहा कि लड़ाई की शुरुआत से, 450 से अधिक फ़िलिस्तीनी-गोले रॉकेट निशाना चूक कर गाजा पट्टी के अंदर गिरने की घटनाएं हुई हैं।

उन्होंने कहा, 'वे हमारे बच्चों को मारने की कोशिश करते हैं, लेकिन रास्ते में, अपने ही बच्चों को मार देते हैं। अंतर्राष्ट्रीय दुष्प्रचार तंत्र तुरंत इज़राइल पर आरोप लगाता है। यह वास्तव में एक है दुख की बात है कि दुनिया भर में कई लोग उनके साथ दे रहे हैं। लेकिन, हमारी तकनीकी दुनिया में, सब

कुछ प्रलेखित है, और हमारे पास स्पष्ट सबूत हैं कि यह एक फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद रॉकेट था।÷ इज़रायली राजदूत ने कहा कि फिलिस्तीनी आतंकवादी और उनके सहयोगी तुरंत पीड़ित कार्ड निकाल लेते हैं। कायरतापूर्ण हत्या, अपहरण और असहाय इजरायली नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार करने के बाद, वे इज़रायली फौज का सामना करने से डरते हैं।

वे हमें कार्रवाई से रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हमें यह सुनिश्चित करने से कोई नहीं रोक सकता कि ये हत्यारे अपने अत्याचारों को अब कभी दोहरा नहीं पाएंगे। श्री गिलोन ने कहा कि हमास को अपहृत इज़रायली एवं विदेशी नागरिकों को रिहा करना चाहिए और अपनी आबादी के पीछे छिपना बंद कर, सामने से इज़रायली फौज का मुकाबला करना चाहिए।

उन्होंने भारतीय मीडिया के उपयोग और मूल्यांकन के लिए दो वीडियो साझा किये। पहला अल जज़ीरा वीडियो है जिसे मंगलवार को ठीक 18:59 बजे पीआईजे रॉकेट विफलता का दस्तावेजीकरण करते हुए लाइव शूट किया गया था। गाजा पर विस्फोट पर ध्यान दें। आईडीएफ आयरन डोम, प्रक्षेप पथ के कारण गाजा पर अवरोधन नहीं करता है। रॉकेट स्पष्ट रूप से दो भागों में विभाजित हो गया है।

सबसे पहले ढांचा गिरा जिससे प्रणोदक में मामूली विस्फोट हुआ, दूसरे वारहेड के अस्पताल के मैदान में गिरने से विस्फोट हुआ और आग लग गई, जैसा कि फिलिस्तीनी वारहेड में होता है। इज़रायली फौज का दूसरा वीडियो अस्पताल की इमेजिंग दिखाता है। यह अस्पताल के पार्किंग स्थल और जली हुई कारों पर हुए हमले की तस्वीर दर्शाता है।

यह कोई गड्ढा भी नहीं दिखाता है जो इज़रायली हथियार के कारण बना है। वीडियो के अंत में ऐसे क्रेटर (गड्ढा) का एक उदाहरण है और संलग्न फोटो में अस्पताल के पार्किंग स्थल की तुलना आईडीएफ आयुध क्रेटर से की गई है।

इज़रायली दूतावास के प्रवक्ता ने कहा कि हमले के चंद क्षणों में ही हमास ने यह खबर फैला दी और कुछ ही मिनटों में दावा किया कि सैकड़ों (करीब 500) लोगों की हत्या कर दी गई और उन्हें जला दिया गया। इन आंकड़ों को निश्चितता के साथ व्यक्त करने में आम तौर पर अधिक समय लगता है। हम 12 दिनों के बाद भी सात अक्टूबर हमले से मृतकों की संख्या की पहचान और समेकित कर रहे हैं। इस प्रकार हमास का बयान संदेहास्पद है और संभवतः पूरी तरह से मनगढ़ंत है।

पाकिस्तान ने किया 'अबाबील' बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण, भारत भी जद में

-भारतीय एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम के जवाब में खुद को मजबूत करना है मकसद

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान सशस्त्र बलों ने बुधवार को सतह से सतह पर मार करने वाली मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अबाबील' का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। इस मिसाइल की 'घोषित' मारक क्षमता 2,200 किमी. है, जिसकी जद में भारत भी आता है। इसका उद्देश्य भारतीय एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम के जवाब में बढ़ते क्षेत्रीय बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (बीएमडी) वातावरण में पाकिस्तान की बैलिस्टिक मिसाइलों की क्षमता बढ़ाना है।

पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मिसाइल का घोषित उद्देश्य भारतीय बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणालियों से आगे निकलना है। सैद्धांतिक रूप से इसका उपयोग भारत के परमाणु शस्त्रागार को नष्ट करने के लिए जवाबी हमले में भी किया जा सकता है। मिसाइल की लंबाई 21.5 मीटर और व्यास 1.7 मीटर है और इसे पारंपरिक और परमाणु हथियार दोनों ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें कई स्वतंत्र रूप से लक्षित रीएंट्री वाहन (एमआईआरवी) हैं, जो दक्षिण एशिया के पहले एमआईआरवी पेलोड का प्रदर्शन करते हैं। इसकी अधिकतम मारक सीमा 2,200 किलोमीटर यानी 1,400 मील है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान के पास इतनी क्षमता वाली पहली मिसाइल होगी। यह कुल 1,500 किलोग्राम (3,307 पाउंड) हथियार ले जा सकती है, जिसमें 500 किलोग्राम (1102.3 पाउंड) के तीन मानक हथियार या 300 किलोग्राम (661.4 पाउंड) के 5 या 185 किलोग्राम (408 पाउंड) वजन के 8 अधिकतम हथियार हो सकते हैं। अबाबील को शाहीन-III एयरफ्रेम और ठोस-ईंधन मोटर्स का विकास कहा जाता है लेकिन यदि यह वास्तव में शाहीन-3 मिसाइल का विकास है तो इसकी हथियार ले जाने की क्षमता बढ़ गई है,

लेकिन सीमा 2,750 किमी (1,709 मील) से घटकर 2,200 किमी (1,400 मील) हो गई है। इस मिसाइल का पहला सार्वजनिक रूप से घोषित परीक्षण लॉन्च 24 जनवरी, 2017 को किया गया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वर्ल्ड फूड इंडिया में एक सौ फुट के डोसे का प्रदर्शन

नई दिल्ली। वर्ल्ड फूड इंडिया 2023 के दौरान इस बार एक सौ फुट से अधिक लम्बे डोसा का प्रदर्शन किया जायेगा जो खाद्य प्रेमियों के लिए आकर्षण का केन्द्र होगा। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय वर्ल्ड फूड इंडिया का आयोजन कर रहा है। इसका आयोजन यहां प्रगति मैदान तीन से पांच नवम्बर के बीच होगा। श्री पटेल ने बताया कि इस समारोह के उद्घाटन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया गया है तथा समापन समारोह में राष्ट्रपति हिस्सा लेंगी। इस आयोजन में 80 से अधिक देश हिस्सा लेंगे और नीदरलैंड सहयोगी देश है। जापान और वियतनाम को फोकस देश बनाया गया है। इसमें नौ देशों के मंत्री स्तरीय प्रतिनिधि मंडल और छह देशों के अधिकारी स्तरीय प्रतिनिधि मंडल हिस्सा लेगा। कुल 23 राज्यों और 11 मंत्रालय भी इसमें हिस्सा लेगा। इसमें 950 से अधिक प्रदर्शक हिस्सा लेंगे। इसके दौरान विभिन्न विषयों पर 48 सत्र आयोजित किये जायेंगे। इस दौरान खरीद बिक्री तथा समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किये जायेंगे। पिछली बार वर्ष 2017 में वर्ल्ड फूड इंडिया का आयोजन किया गया था। इसके बाद कोविड के कारण इसका आयोजन नहीं हो सका था।

विशेष अदालत ने बलात्कार मामले में भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन के खिलाफ जारी समन पर रोक लगाई

नई दिल्ली। बलात्कार और आपराधिक धमकी का आरोप लगाने वाली एक महिला की शिकायत पर यहां एक मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा भाजपा नेता सैयद शाहनवाज हुसैन के खिलाफ जारी समन पर एक विशेष अदालत ने रोक लगा दी है। विशेष न्यायाधीश एम के नागपाल ने मजिस्ट्रेट अदालत के उस आदेश के खिलाफ हुसैन द्वारा दायर याचिका पर आदेश पारित किया जिसमें उनसे 20 अक्टूबर को पेश होने को कहा गया था। न्यायाधीश ने 17 अक्टूबर को पारित आदेश में शिकायतकर्ता को एक नोटिस भी जारी किया और आठ नवंबर तक उससे जवाब मांगा। उन्होंने कहा, 'याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील द्वारा दी जा रही दलीलों के मद्देनजर, निर्देश दिया जाता है कि तब तक, मामले में लागू आदेश और आगे की कार्यवाही पर रोक रहेगी।' हुसैन ने अपनी याचिका में दावा किया कि मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ने 'केवल शिकायतकर्ता द्वारा सीआरपीसी की धारा 164 के तहत दिए गए एक बयान के आधार पर संज्ञान लिया, हालांकि यह दिखाने के लिए रिकॉर्ड पर पर्याप्त अन्य मौखिक या दस्तावेजी सबूत हैं कि नशे या शिकायतकर्ता से बलात्कार की वास्तव में कोई घटना नहीं हुई।' इससे पहले, मजिस्ट्रेट अदालत ने कथित अपराध का संज्ञान लिया था और पूर्व केंद्रीय मंत्री को 20 अक्टूबर को अपने सामने पेश होने का निर्देश दिया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि अप्रैल 2018 में राष्ट्रीय राजधानी स्थित एक फार्महाउस में हुसैन ने उसे नशीला पदार्थ खिलाने के बाद उससे बलात्कार किया था।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 17.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, वायु गुणवत्ता 'मध्यम'

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बुधवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री ऊपर, 17.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि शहर में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह नौ बजे 'मध्यम' श्रेणी में था। शहर में रविवार और सोमवार को वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में थी। वायु गुणवत्ता में सोमवार रात शहर के हिस्सों में तेज हवाओं के साथ बारिश होने से सुधार हुआ है। वायु गुणवत्ता और मौसम पूर्वानुमान तथा अनुसंधान प्रणाली (सफ़र) के अनुसार, समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक बुधवार को 130 दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिन में आसमान साफ रहने का अनुमान जताया है। सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आद्रता 82 प्रतिशत दर्ज की गई। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है। एक्यूआई के 500 से अधिक होने पर इसे 'अत्यंत गंभीर' माना जाता है।

दो दिनों तक निलंबित रहने के बाद जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बहाल

श्रीनगर। बारिश और भूस्खलन के कारण दो दिनों तक निलंबित रहने के बाद जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार को यातायात बहाल कर दिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि राजमार्ग से भूस्खलन का मलबा हटाने के बाद सड़क पर यातायात बहाल कर दिया गया है। सोमवार को बनिहाल के शालगिरी इलाके में भूस्खलन के बाद राजमार्ग बंद कर दिया गया था। सड़क जाम के कारण सैकड़ों वाहन फंसे रहे। मार्ग खुलने के बाद केवल फंसे वाहनों को ही आगे जाने की अनुमति दी गई है। यातायात पुलिस ने कहा कि श्रीनगर-सोनमर्ग-गुमरी सड़क भी वाहनों की आवाजाही के लिए भी खुली है। हालांकि, दक्षिण कश्मीर में शोपियां को राजौरी और पुंछ जिलों से जोड़ने वाली मुगल रोड बर्फ जमा होने के कारण अभी भी बंद है।

पाकिस्तान की गोलीबारी में बीएसएफ के दो जवान घायल

जम्मू। जम्मू जिले के अरनिया सेक्टर की अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास विक्रम पोस्ट पर मंगलवार देररात पाकिस्तान की गोलीबारी में बीएसएफ के दो जवान घायल हो गए। घायल जवानों को जम्मू मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पाकिस्तान की गोलीबारी में एक जवान के पेट तथा दूसरे के हाथ में गोली लगी है। विक्रम पोस्ट पर बीएसएफ की 120 बटालियन तैनात है। बीएसएफ तथा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया है। किसी को भी अंतरराष्ट्रीय सीमा की ओर जाने की इजाजत नहीं दी जा रही।

तेलंगाना विधानसभा चुनाव : राहुल, प्रियंका बस यात्रा के साथ प्रचार अभियान की शुरुआत करेंगे

हैदराबाद। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा बुधवार को तेलंगाना में बस यात्रा के साथ विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पार्टी के प्रचार अभियान की शुरुआत करेंगे। तेलंगाना में विधानसभा चुनाव के लिए 30 नवंबर को मतदान होगा और मतगणना तीन दिसंबर को होगी। पार्टी सूत्रों ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के दोनों नेता विशेष विमान से दोपहर साढ़े तीन बजे बेगमपेट हवाईअड्डा पहुंचेंगे और हेलीकॉप्टर से रामप्पा मंदिर के लिए रवाना होंगे। मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद वे बस यात्रा शुरू करेंगे और इसके बाद एक रैली को संबोधित करेंगे। इस दौरान दोनों नेता महिलाओं के साथ बातचीत भी करेंगे। उन्होंने बताया कि रैली के बाद प्रियंका दिल्ली लौट जाएंगी लेकिन राहुल राज्य में होने वाले कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुलुगु से कांग्रेस विधायक दानासारी अनसूया ने बताया कि राहुल गांधी आज रात भूपालपल्ली में रुकेंगे। दानासारी अनसूया सीथक्का के नाम से मशहूर हैं। उन्होंने कहा, 'राहुल और प्रियंका साढ़े चार बजे रामप्पा मंदिर पहुंचेंगे और करीब पांच बजे जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद भूपालपल्ली तक करीब 30 किलोमीटर की बस यात्रा होगी।' कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, 18 अक्टूबर से शुरू होने वाली यह तीन दिवसीय यात्रा आठ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों से गुजरेगी। राहुल 19 अक्टूबर को सरकारी खनन कंपनी सिंगरेनी कोलियरीज के कर्मचारियों से मिलेंगे और पेद्दापल्ली एवं करीमनगर में सार्वजनिक बैठकों में भाग लेंगे। वह करीमनगर में ही रात्रि विश्राम करेंगे। कांग्रेस नेता 20 अक्टूबर को जगतियाल में किसानों की एक बैठक में भाग लेंगे और आर्मूर एवं निजामाबाद सहित अन्य स्थानों पर कार्यक्रमों में भाग लेंगे। तेलंगाना दौरे के दौरान राहुल गांधी के बोधन में निजाम चीनी मिल का दौरा करने और आर्मूर में हल्दी एवं गन्ना किसानों के साथ बातचीत करने की संभावना भी है।

अडानी ने किया 32000 करोड़ रुपए का घोटाला : राहुल

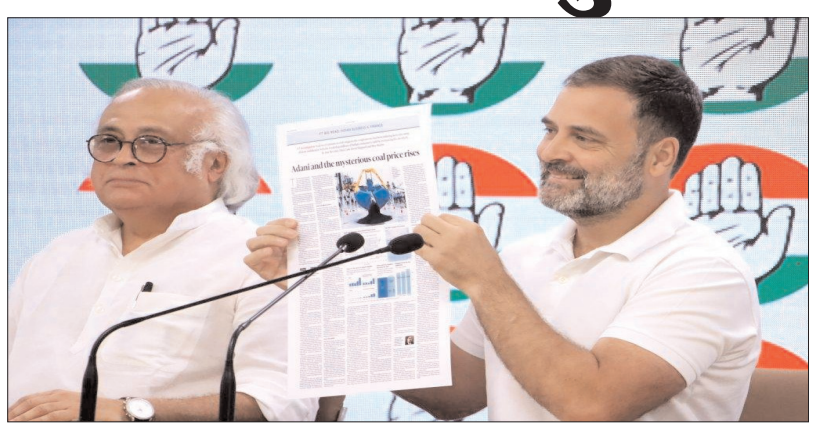

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उद्योगपति गौतम अडानी पर सीधा हमला करते हुए कहा है कि उन्होंने (श्री अडानी) कोयला घोटाला किया है, जिसके कारण बिजली की कीमतें बढ़ी हैं और बिजली दरें बढ़ाकर जनता के 32000 करोड़ रुपए डकारे गए हैं।

श्री गांधी ने बुधवार पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पहले हम 20,000 करोड़ के घोटाले की बात कर रहे थे, लेकिन अब एक अखबार ने रिपोर्ट छपी है कि 12,000 करोड़ रुपए का और घोटाला हुआ है और इस तरह से अडानी समूह ने पूरा 32,000 करोडट रुपए का घोटाला किया है।

उन्होंने कहा कि आश्चर्य की बात यह है कि घोटाले के दस्तावेज मौजूद हैं, लेकिन मोदी सरकार अपने प्रिय उद्योगपति के खिलाफ किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। उनका कहना था कि अडानी के खिलाफ कार्रवाई इसलिए नहीं हो रही है, क्योंकि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उन्हें संरक्षण प्राप्त है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि जब अडानी के खिलाफ दस्तावेज हैं, तो श्री मोदी और उनके नेतृत्व वाली सरकार इस उद्योगपति के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं करती, जबकि इसको लेकर कांग्रेस सांसद से सड़क तक सवाल उठा रही है और इस घोटाले के सबूत भी दे रही है। उनका कहना है कि अडानी ने हिंदुस्तान की जनता की पॉकेट से 12,000 करोड़ रुपए निकाले हैं और इस तरह से अडानी ने देश में 32,000 करोड रुपए का कोयला घोटाला किया है।

उन्होंने कहा, 'इस घोटाले का पैसा देश की जनता की जेब से बिजली की कीमतें बढ़ाकर वसूला गया है। बिजली की कीमतें बढ़ने की वजह कोयला घोटाला कर अडानी द्वारा आपकी जेब से निकल गए 12,000 करोड़ है जो बढ़कर अब 32000 करोड रुपए का घोटाला हो गया है।'

गांधी ने कहा, 'कांग्रेस सरकार मध्य प्रदेश, कर्नाटक आदि राज्यों में बिजली में सब्सिडी देकर लोगों को राहत दे रही है लेकिन असली मुद्दा बिजली की कीमतें बढ़ने का है जो अडानी के कोयला घोटाले की वजह से बढ़ रहीं है।'

प्रधानमंत्री मोदी महाराष्ट्र में 511 ग्रामीण कौशल विकास केंद्रों की शुरुआत करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बृहस्पतिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से, महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिवंगत नेता प्रमोद महाजन के नाम पर 511 ग्रामीण कौशल विकास केंद्रों की शुरुआत करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि महाराष्ट्र के समूचे 34 ग्रामीण जिलों में इन केंद्रों की स्थापना की जाएगी। बयान में कहा गया है कि ये केंद्र ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के वास्ते विभिन्न क्षेत्रों में कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करेंगे। बयान के अनुसार, 'हर केंद्र पर कम से कम दो व्यावसायिक पाठ्यक्रम में करीब 100 युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद के तहत सूचीबद्ध उद्योग भागीदारों और एजेंसियों द्वारा प्रदान किया जा रहा है।' बयान के मुताबिक, ये एजेंसियां इस क्षेत्र को अधिक सक्षम और कुशल मानव कौशल सृजित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति करने में मदद करेंगी। प्रमोद महाजन भाजपा के एक प्रमुख राष्ट्रीय नेता थे और उनका 56 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था।

बिहार में चौथे कृषि रोड मैप का राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने किया शुभारंभ

पटना/नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने बुधवार को पटना के बापू सभागार मे चौथे कृषि रोड मैप 2023 की दीप प्रज्जवलित कर इसका शुभारंभ किया। इस मौके पर बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अरलेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अलावे, कृषि, सहकारिता, उद्योग, वन एवं पर्यावरण समेत इससे जुड़े 12 विभागों के मंत्री,अफसर मौजूद रहें।

इसके अलावे बड़ी संख्या में किसान, कृषि वैज्ञानिक भी इस कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं। बिहार के लगभग 93.60 लाख हेक्टेयर भूमि में 79.46 लाख हेक्टेयर कृषि योग्य है। राज्य में आज भी 74 प्रतिशत लोग आजीविका के लिए कृषि पर ही निर्भर है। राज्य के जीडीपी में कृषि का करीब 20 प्रतिशत योगदान। पशुधन का करीब 6 प्रतिशत योगदान है। सबको देखते हुए नीतीश ने कृषि रोड मैप लाने का फैसला लिया।

नीतीश सरकार ने पहले कृषि रोड मैप में बीज उत्पादन के साथ किसानों की उत्पादकता बढ़ाने की कोशिश की उसके बाद चावल के उत्पादन में बिहार को काफी सफलता मिली। पहले कृषि रोड मैप में बीज उत्पादन के साथ किसानों की उत्पादकता बढ़ाने की कोशिश हुई थी। चावल के उत्पादन में बिहार को काफी सफलता मिली। पहला कृषि रोडमैप का बजट आकार बेहद छोटा था।दूसरा कृषि रोड मैप 2012 में लागू किया गया। उसके लिए 2011 में नीतीश सरकार ने 18 विभागों को शामिल कर कृषि कैबिनेट का गठन किया था।

बिहार को दूसरे किसी रोड मैप में कई पुरस्कार भी मिले। 2012 में चावल उत्पादन के लिए कृषि कर्मण पुरस्कार मिला। 2013 में गेहूं उत्पादन के क्षेत्र में कृषि कर्मण पुरस्कार मिला। 2016 में मक्का के उत्पादन के क्षेत्र में कृषि कर्मण पुरस्कार। तीसरा कृषि रोडमैप 2017 में लागू किया गया। कोरोना काल के कारण रोडमैप को एक साल बढ़ाया गया। तीसरे कृषि रोड मैप में ऑर्गेनिक खाद पर जोर दिया गया। किसानों को खेतों तक बिजली पहुंचाने में सरकार सफल रही। इसमें बिहार में हरित पट्टी बढ़ाने पर जोर दिया गया। राज्य में फिलहाल 15 प्रतिशत हरित पट्टी है।

दिल्ली सरकार औद्योगिक प्रदूषण से निपटने के लिए अभियान शुरू करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को कहा कि दिल्ली सरकार औद्योगिक प्रदूषण से निपटने के लिए 20 अक्टूबर से एक महीने तक अभियान चलाएगी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि राजधानी में 1,700 से अधिक औद्योगिक इकाइयों में इस्तेमाल होने वाले ईंधन पर नजर रखने के लिए 66 टीम गठित की गई हैं।

राय ने कहा, 'हालांकि ये इकाइयां प्राकृतिक गैस पर स्थानांतरित हो गई हैं, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उनकी ओर से कोई ढिलाई न बरती जाए।' मंत्री ने मंगलवार को केंद्र से मांग की थी कि वायु प्रदूषण से निपटने के लिए पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए और पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में केवल सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों की आवाजाही की अनुमति दी जाए।

राय ने केंद्र में अपने समकक्ष भूपेन्द्र यादव को लिखे पत्र में कहा था कि दिल्ली सरकार ने सर्दियों के मौसम के दौरान वायु प्रदूषण से निपटने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा, 'लेकिन ये कदम तब तक प्रभावी नहीं होंगे जब तक हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की ओर से एनसीआर क्षेत्र में प्रदूषण के स्रोतों से निटपने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाये जाते।'

उन्होंने कहा कि स्वतंत्र पर्यावरण थिंक टैंक 'सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट' की एक रिपोर्ट से पता चलता है कि दिल्ली में 31 प्रतिशत प्रदूषण राष्ट्रीय राजधानी के स्रोतों से होता है, जबकि 69 प्रतिशत एनसीआर राज्यों के स्रोतों से होता है। राय ने मांग रखी कि केंद्र राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए समाधान पर चर्चा के वास्ते एक आपातकालीन बैठक बुलाए। दिल्ली के मंत्री ने कहा कि एनसीआर के राज्यों को पूरे क्षेत्र में पटाखों और पराली जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना चाहिए और केवल सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों को अनुमति देनी चाहिए।

ऑपरेशन अजय की पांचवीं फ्लाइट इजरायल से पहुंची नई दिल्ली, लगे भारत माता की जय के नारे

-इस विमान से 286 लोगों को सुरक्षित लाया गया, इनमें 268 भारतीय और 18 नेपाल के नागरिक

नई दिल्ली(एजेंसी)। हमास के इजारयल पर हुए हमले के बाद वहां फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी के लिए केंद्र की मोदी सरकार के ऑपरेशन अजय के तहत पांचवीं फ्लाइट मंगलवार रात 11 बजे पालम एयरपोर्ट पहुंची। स्पाइसजेट के इस विमान से 286 लोगों को लाया गया। इन लोगों ने इस मौके पर भारत माता की जय के नारे लगाए। इनमें 268 भारतीय और 18 नेपाली नागरिक शामिल हैं। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री एल मुरुगन ने एयरपोर्ट पर सभी की अगवानी की। सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री एल मुरुगन और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने यह खुशखबरी एक्स पर साझा की है। बताया गया है कि स्पाइसजेट के इस विमान (ए340) में रविवार को तेल अवीव में उतरने के बाद तकनीकी समस्या आ गई थी। इस वजह से विमान को जार्डन ले जाया गया। इसे पहले सोमवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी लौटना था। एल मुरुगन ने कहा है कि सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है। वह उन सभी भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है जो अपने वतन लौटना चाहते हैं। उन्होंने कहा है कि ऑपरेशन अजय के तहत अब तक1100 से अधिक भारतीय नागरिकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी कराई जा चुकी है।

छत्तीसगढ़ विस चुनाव: रमन सिंह ने दूसरे चरण के मतदान की तारीख आगे बढ़ाने की मांग की

रायपुर (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने बुधवार को भारत निर्वाचन आयोग से छठ पूजा त्योहार को देखते हुए 17 नवंबर को होने वाले, छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान की तारीख को आगे बढ़ाने का आग्रह किया।

सिंह ने कहा है कि त्योहार के कारण बड़ी संख्या में मतदाता मतदान में हिस्सा नहीं ले सकेंगे।90 सदस्यीय छत्तीसगढ़ विधानसभा के लिए सात और 17 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा तथा मतगणना तीन दिसंबर को होगी। छठ का त्योहार इस वर्ष 17 से 20 नवंबर तक मनाया जाना है।

सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा है, 'छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण (17 नवंबर) के निकट छठ पूजा का पर्व आने से बड़ी संख्या में मतदाता इस निर्वाचन प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बन पायेंगे।' उन्होंने लिखा है, 'मैं भारत निर्वाचन आयोग से आग्रह करता हूँ कि दूसरे चरण के मतदान को आगे बढ़ाने की कृपा करें, जिससे अधिक से अधिक संख्या में मतदाता इस चुनाव से जुड़कर अपने मताधिकार का उपयोग कर पाएं।'

राज्य के रायपुर, बिलासपुर, भिलाई, जगदलपुर, कोरबा और अन्य शहरों में रहने वाले बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोग बड़ी संख्या में प्रति वर्ष छठ पर्व भव्य तरीके से मनाते हैं। इससे पहले राज्य में विधानसभा चुनाव लड़ रही आम आदमी पार्टी (आप) ने भी ऐसी ही मांग की थी। भाजपा ने विधायक रमन सिंह को उनकी पारंपरिक सीट राजनांदगांव से चुनाव मैदान में उतारा है। राज्य में पहले चरण में राजनांदगांव के साथ 19 अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होगा। दूसरे चरण में अन्य 70 सीटों पर मतदान होगा।

विधानसभा चुनावों में नहीं बन पा रही बात, फिर 2024 में बीजेपी का मुकाबला कैसे करेगा विपक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले तीन-चार महीने से देखें तो देश की राजनीति दिलचस्प रही है। ऐसा लगा कि भाजपा के खिलाफ विपक्षी दल पूरी तरीके से एकजुट हो रहे हैं और यह भगवा पार्टी के लिए पूरी तरीके से खतरे की घंटी है। 26 से ज्यादा दलों ने भाजपा के खिलाफ इंडिया गठबंधन बनाया है। इन दलों का दावा है कि वह लोकतंत्र की रक्षा करने और भाजपा को हराने के लिए मिलकर चुनाव लड़ेंगे। पिछले महीने जब उत्तर प्रदेश के घोसी में उपचुनाव हुए थे तब कहा गया था कि इंडिया गठबंधन की यह पहली परीक्षा है। उस परीक्षा में समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार की जीत हुई थी और कांग्रेस सहित सभी छोटे दलों ने सपा का समर्थन किया था। इंडिया गठबंधन बनने के बाद इस बात की संभावना जताई जा रही थी कि साल के आखिर में जिन पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं, वहां भी सभी विपक्षी दल मिलकर एक साथ भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे।

वर्तमान स्थिति- मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव होने हैं। राजस्थान और तेलंगाना को छोड़ दें तो बाकी राज्यों के लिए मतदान की तारीख में 1 महीने से भी काम का समय बचा है। हालांकि, किसी भी राज्य में विपक्ष एकजुट होकर लड़ता दिखाई नहीं दे रहा है। पूरा का पूरा फोकस अगर राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश पर करें जहां भाजपा मजबूत है, वहां भी विपक्षी एकजुटता दिखाई नहीं दे रही है। हालांकि, इन राज्यों के विधानसभा चुनाव को लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी गठबंधन के लिए लिटमस टेस्ट माना जा रहा था। लेकिन ऐसा लग रहा है कि विपक्षी दल की पर्टियां राज्यों में गठबंधन से कतरा रही हैं। अलग-अलग दलों के नेताओं की ओर से इन राज्यों में साफ तौर पर कहा जा रहा है कि हमारा गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए हुआ है। ऐसे में सवाल यह है कि कि बिना सेमीफाइनल मैच खेले इंडिया गठबंधन सीधे फाइनल मुकाबले में भाजपा को कितनी चुनौती दे पाएगा।

मध्य प्रदेश- मध्य प्रदेश में देखा जाए तो कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच बातचीत शुरू हुई थी। हालांकि किसी नतीजे पर पहुंचने से पहले ही यह खत्म हो चुकी है। दोनों राजनीतिक दलों ने अपने-अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। इसके बाद दोनों ओर से शब्द बाण भी एक-दूसरे के खिलाफ चलाए जा रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि सपा-कांग्रेस गठबंधन पर ब्रेक लगने से अखिलेश यादव नाराज है। उन्होंने यह तक कह दिया है कि मध्य प्रदेश में अगर यह गठबंधन नहीं हुआ तो भविष्य में प्रदेश स्तर पर गठबंधन नहीं होगा। कमलनाथ ने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का ध्यान लोकसभा चुनाव पर है और अगर यह गठबंधन मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में होता है तो अच्छा होता। कमलनाथ ने कहा कि चुनावी साझेदारी (सहयोगियों के साथ) में कुछ जटिलताएं हैं क्योंकि कांग्रेस को स्थानीय स्थिति पर विचार करना होगा। आप भी वहा अपने दम पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। मध्य प्रदेश में सपा-कांग्रेस गठबंधन नहीं होने के बाद जयंत चौधरी की पार्टी आरएलडी भी कांग्रेस पर आक्रामक हो गई है और इसका सीधा कनेक्शन राजस्थान से है।

राजस्थान- राजस्थान में भी इंडिया गठबंधन की कोई बात नहीं हो रही है। कांग्रेस वहां भी अकेले अपने दम पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। आम आदमी पार्टी भी राजस्थान में कई सीटों पर अपनी उम्मीदवार उतार रही है। राजस्थान में देखें तो अभी कांग्रेस और आरएलडी का गठबंधन है। जयंत चौधरी कांग्रेस से राजस्थान में अधिक सीटों की डिमांड कर रहे हैं। यही कारण है कि आरएलडी की ओर से साफ तौर पर कहा जा रहा है कि कांग्रेस को बड़ा दल दिखाना होगा।

छत्तीसगढ़- छत्तीसगढ़ में भी किसी तरीके का गठबंधन दिखाई नहीं दे रहा है। वहां भी आम आदमी पार्टी अपनी उम्मीदवार उतार रही है। इससे कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। यही कारण है कि कांग्रेस की ओर से आम आदमी पार्टी को भाजपा की भी टीम बताया जा रहा है। फिर सवाल यह उठ रहा है कि अगर आम आदमी पार्टी भाजपा की बी टीम है तो फिर उसे इंडिया गठबंधन में क्यों रखा गया है। बघेल ने आम आदमी पार्टी (आप) पर छत्तीसगढ़ में बी टीम के रूप में काम करने और राज्य में सत्ताधारी दल में सेंध लगाने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

कुल मिलाकर देखें तो विपक्षी दलों ने गठबंधन बनाने को लेकर जितनी जल्दी कवायद की, अब वह उस रफ्तार से बढ़ता दिखाई नहीं दे रहा है। मध्य प्रदेश के भोपाल में होने वाले इंडिया गठबंधन की रैली रद्द होने के बाद भी अब तक किसी जगह का चयन नहीं किया गया है। इसके अलावा कई राजनीतिक दल सीट बंटवारे को लेकर निर्णय जल्दी चाहते हैं। लेकिन इस पर भी सहमति नहीं बन पा रही है। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि इंडिया गठबंधन का भविष्य क्या रहता है?

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

पांडेसरा में गला कटा युवक का शव मिला पहचान की दिशा में पुलिस की जांच शुरू

टिफिन और साइकिल की चाबी मिली

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा में अपराधियों और असामाजिक तत्वों का आतंक है. बीती रात पांडेसरा के एक १२ साल के लड़के को १० से ज्यादा बार चाकू मारकर हत्या करने की कोशिश की गई. फिर आज सुबह पांडेसरा के तिरूपति औद्योगिक क्षेत्र में एक अज्ञात युवक का गला कटा हुआ शव मिलने से हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का काफिला मौके पर पहुंचा। पुलिस ने घटना को लेकर अलग-अलग टीमें गठित कर मृतक युवक की पहचान के लिए जांच शुरूकर दी है.

पांडेसरा में अज्ञात युवक का शव मिला सूरत में पांडेसरा तिरूपति इंडस्ट्री के पास खुले मैदान में आज एक युवक का शव मिला। युवक की गर्दन, पीठ और हाथ पर चोट के निशान मिले हैं। पुलिस ने आशंका जताई है कि इसी वजह से युवक की हत्या की गई है। घटना की सूचना मिलने पर डीसीपी और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों समेत पुलिस का काफिला मौके पर पहुंचा और जांच शुरूकी।

डीसीपी विजयसिंह गुर्जर ने बताया कि मृतक युवक की उम्र करीब 25 से 30 साल है . अभी तक उसकी पहचान नहीं हो पाई है. घटना स्थल की जांच डॉग एससीओडी और एफएसएल से करायी गयी है. युवक की गर्दन, पीठ और हाथ पर धारदार हथियार के घाव हैं। उस समय यह अनुमान लगाया जा रहा था कि अज्ञात व्यक्तियों द्वारा धारदार हथियार से वार कर उसकी हत्या कर दी गयी है.

मृतक युवक की पहचान के लिए

जांच में आगे कहा गया कि फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि हत्या किसने और किस कारण से की. पुलिस फिलहाल आसपास के सीसीटीवी, लोगों से पूछताछ और अन्य स्त्रोतों के आधार पर इसकी जांच कर रही है। हालांकि, पुलिस फिलहाल प्रारंभिक आधार पर युवक की पहचान करने की कोशिश कर रही है.

हत्या के पीछे की वजह जानने की पुलिस की कोशिश इस घटना में पुलिस को मृतक युवक के पास से खाने से भरा टिफिन मिला है. उसके पास से साइकिल की चाबी भी बरामद हुई और साइकिल घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर मिली. अब पुलिस इन सभी कड़ियों को जोड़कर इस मृतक की पहचान तक पहुंचने की कोशिश कर रही है. हत्या के पीछे क्या कारण है और किसने इसे अंजाम दिया है उन तक पहुंचने में जुटी हुई है।

दमन की कंपनी में नाबालिग को गर्भवती करने पर 10 साल की सजा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वापी-दमन: दमन के काचीगाम इलाके में स्थित एक कंपनी में तीन साल पहले एक युवती से बार-बार शारीरिक संबंध बनाकर गर्भवती करने का मामला कोस्टल पुलिस स्टेशन पहुंचा.इस मामले में पुलिस ने पीड़िता के साथ कंपनी में काम करने वाले आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है.इस मामले में दमन के जिला एवं सत्र न्यायालय ने रेप के आरोपी को 10 साल की सजा सुनाई.

दमन जिला एवं सत्र न्यायालय में 3 साल 2 महीने से चल रहे रेप मामले की सुनवाई के दौरान जज श्रीधर एम.भोंसले ने आरोपी चुन्नीलाल नाथुवा खिंगर को दोषी ठहराया और उसे 10 साल की जेल और 5,000 रूपये जुर्माने की सजा सुनाई। काचीगाम की रहने वाली पीड़िता की मां ने 18 मई, 2020 को मोती दमन तटीय पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई कि उसकी कचीगाम की 16 वर्षीय बेटी एक कंपनी में काम करने जा रही थी.इस कंपनी में काम करने वाले आरोपी चुन्नीलाल नाथुवा खिंगर ने शिकायतकर्ता की नाबालिग बेटी के साथ कई बार यौन उत्पीड़न किया। बलात्कार पीड़िता की गर्भवती थी जब उसकी मां ने इसके बारे में पूछताछ की और गिरोह ने पीड़िता पर हमला कर दिया।अंततः पीड़िता को विश्वास में लिया गया और पूरी बात बतायी गयी.जिस पर पीड़िता की मां ने पुलिस से शिकायत की।पीड़िता की मां की शिकायत के आधार पर मोती दमन तटीय पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 376 और पोक्सो अधिनियम 6 के तहत मामला दर्ज किया और आरोपी चुन्नीलाल नाथुवा खिंगर (३३) निवासी चित्रकोट, शंकरभाई चाल अटियावाड, यूपी को गिरफ्तार कर लिया।

मामले की जांच अधिकारी पीएसआई सेजल पटेल ने 13 जुलाई 2020 को दमन कोर्ट में आरोप पत्र पेश किया.इस मामले की सुनवाई करते हुए जज श्रीधर एम.भोंसले ने कुल 7 गवाहों को सुनने के बाद आरोपी चुन्नीलाल नथुवा खिंगार को पीड़िता से बलात्कार का दोषी ठहराया और धारा 376 के तहत 10 साल की कैद और 5,000 रूपये जुर्माने की सजा सुनाई.पीड़िता के जन्म प्रमाण पत्र का सत्यापन नहीं हो पाने के कारण आरोपी को POCSO एक्ट के तहत राहत दी गई है.न्यायाधीश ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को पीड़िता को मुआवजा देने का आदेश दिया.इस मामले में सरकारी वकील हरिओम उपाध्याय ने जोरदार पैरवी की और आरोपियों को सलाखों के पीछे धकेल दिया.

हीरा उद्योग पर इज़राइल फ़िलिस्तीन युद्ध का प्रभाव

पहले रूस-यूक्रेन युद्ध और अब फिलिस्तीन-इजरायल युद्ध हीरा उद्योग के लिए चिंता का विषय

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दक्षिण गुजरात में सूरत और नवसारी पॉलिश किए गए हीरों के महत्वपूर्ण केंद्र माने जाते हैं। दुनिया के 80% से अधिक हीरे सूरत में पॉलिश किए जाते हैं। इसके साथ ही नवसारी जिला झीना और पोल्की का भी केंद्र माना जाता है। लेकिन सबसे पहले रूस-यूक्रेन और चल रहे फिलिस्तीन-इजराइल युद्ध का आंशिक असर नवसारी जिले के हीरा उद्योग पर भी देखने को मिल रहा है. पोलिश हीरों का बड़ा खरीदार इजराइल फिलिस्तीन-इजरायल युद्ध का सीधा असर हीरा उद्योग पर भी देखने को मिल रहा है। उंची कीमत पर रफ खरीदने की तुलना में पोलिश हीरे की कीमत 20 फीसदी कम मांगी जा रही है। जिसके चलते नवसारी जिले का हीरा उद्योग युद्ध की स्थिति को लेकर चिंतित है. पहले रूस-यूक्रेन युद्ध और अब फिलिस्तीन-इजरायल युद्ध हीरा उद्योग के लिए चिंता का विषय बन गए हैं। हीरो इंडस्ट्री पर क्या असर? वर्तमान में, व्यापारी पॉलिश किए हुए हीरे को उस कीमत से छूट पर दे रहे हैं जिस कीमत पर वे कच्चा हीरा खरीदते हैं। इसके चलते दिवाली के त्योहार पर तय समय से पहले ही फैक्ट्री में छुट्टी कर दी गई है, जब व्यापारियों को आर्थिक नुकसान झेलने की बारी आती है. 15 दिसंबर के बाद नवसारी में हीरा उद्योग को फायदा बढ़ने की संभावना है.

बनासकांठा सहित सौराष्ट्र के रत्न कलाकार वापस नहीं लौटते हीरा उद्योग में वर्षों से काम कर रहे कारीगर अक्सर छुट्टियों पर अपने वतन जाने के बाद वापस नहीं लौटते। बनासकांठा सहित सौराष्ट्र में भी जब हीरा उद्योग की इकाइयां शुरू होती हैं तो वे रोजगार के लिए वहां पहुंच जाते हैं। या खेती. जिसके कारण व्यापारियों को कारीगरों की कमी का सामना करना पड़ रहा है।2008 में वैश्विक मंदी से पहले, नवसारी जिले में 1 लाख ज्वैलर्स काम कर रहे थे। लेकिन अब वह संख्या घटकर 30 से 35 हजार रह गई है. नवसारी डायमंड एशोसिएशन पूर्व अध्यक्ष कमलेश मालानी का कहना है कि इस समय दुनिया के हीरा बाजार में कच्चे हीरे की कीमतें बढ़ गई हैं। इसके विपरीत पोलिश हीरे की कीमतें बहुत कम आंकी जा रही हैं।बाजार में पॉलिश्ड हीरों की मांग 15 से 20 फीसदी कम कीमत पर हो रही है, जिसके कारण हीरा व्यापारियों ने पिछले तीन महीनों में अपना उत्पादन 50 फीसदी तक कम कर दिया है.पिछले 15 दिनों से कारीगर रोजाना छुट्टी पर निकल रहे हैं.मौजूदा स्थिति की बात करें तो नवसारी में 60 से 70% फैक्ट्रियां छुट्टी पर चली गई हैं। आने वाले हफ्तों में पूरे हीरा बाजार में छुट्टी घोषित कर दी जाएगी। युद्ध की बात करें तो रूस, यूक्रेन के बाद इजरायल भी हीरे पर असर डाल रहा है। उद्योग। इज़राइल पोलिश हीरे का सबसे बड़ा बाजार है। युद्ध की स्थिति के बीच मांग गिर गई है।

पढ़ाई की उम्र में प्रेम प्रसंग में खेला गया खूनी खेल

13 साल के बच्चे ने 12 साल के बच्चे पर 10 से ज्यादा बार चाकू से हमला किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा इलाके में एक 12 साल के लड़के पर हमला किया गया। एक 13 साल के लड़के ने 12 साल के लड़के पर 10 से ज्यादा बार चाकू से वार किया. दोनों स्कूल जाने वाले किशोरों के बीच पास की एक लड़की के प्यार के लिए लड़ाई हो गई। इसी प्रेम प्रसंग में देर रात किशोर पर चाकू से हमला कर दिया गया। घायल किशोर को तत्काल इलाज के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है, लेकिन उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है. उधर, पांडेसरा पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है.

कल देर रात पांडेसरा क्षेत्र के टेरेनम चौक के पास दो किशोरों के बीच सार्वजनिक रूप से लड़ाई हो गई, जहां किशोर को अस्पताल में भर्ती कराया गया । इसी दौरान एक किशोर ने चाकू से हमला कर दिया। 12 साल के एक लड़के को 10 से अधिक चाकू लगे और उसे तत्काल इलाज के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया। जहां किशोर को उपचार के लिए न्यू सिविल अस्पताल के ओटीपी में भर्ती कराया गया है। फिलहाल उनका इलाज चल रहा है.

जब घटना की सूचना पांडेसरा पुलिस को दी गई तो देर रात पुलिस का बेड़ा भी मौके पर पहुंचा और जांच शुरूकी। जहां किशोर पर हमले को लेकर चौंकाने वाली वजह सामने आई। स्कूल जाने की उम्र में घर के पास रहने वाली एक लड़की से प्यार के लिए दोनों किशोरों में झगड़ा हो गया। दोनों किशोर एक ही लड़की से प्यार करते थे. हालांकि, किशोर को इस बारे में कोई जानकारी नहीं है. हालांकि पांडेसरा पुलिस ने परिवार का बयान ले लिया है और पूरे मामले में आगे की जांच कर रही है.

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-9879141 80 या फोटा,वीडियो हमें भेजे